लोकसभा चुनाव के सात चरणों के मतदान के बाद चार जून यानी कल मतगणना होगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं का खड़े होकर अभिनंदन किया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 31 दिनांक:04-06-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

मतगणना की पूर्व संध्या पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश के नौकरशाहों को खुला पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने अधिकारियों से संविधान का पालन करने और बिना किसी भय, पक्षपात और किसी दुर्भावना के राष्ट्र की सेवा करने का आग्रह किया।

लोकसभा चुनाव की मतगणना आज

..चुनाव के ऐलान से नतीजों तक 80 दिन चली

751 पार्टियों के 8360 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा,

एनडीए या इंडिया गठबंधन की बनेगी सरकार

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व में हार-जीत का फैसला मंगलवार को होना है। देशभर में मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी। देश में एनडीए या इंडिया गठबंधन को बहुमत मिलेगा इसकी तस्वीर दोपहर तक लगभग साफ होगी। लोकसभा चुनाव के लिए 16 मार्च से शुरू हुआ चुनाव प्रचार, 75 दिन चला। 19 अप्रैल से 1 जून तक सात फेज में वोटिंग हुई। चुनाव की यह प्रोसेस कुल 43 दिन तक चली। अब 4 जून को पिछले 80 दिनों का इंतजार खत्म होगा। इस बार कुल 8360 उम्मीदवारों ने चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म के मुताबिक, 1333 नेशनल पार्टी से, 532 स्टेट पार्टी से, 2580 गैर मान्यता प्राप्त पार्टी से और 3915 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 2019 में 7928 और 2014 में 8205 चुनाव लड़ा था। 751 पार्टियों ने अपने कैंडिडेट उतारे थे। 2019 में ये आकंड़ा 677 और 2014 में 464 था। 543 सीटों पर सबसे ज्यादा बसपा के 487, भाजपा के 440, कांग्रेस के 327 और सीपीआई-एम के 52 उम्मीदवार मैदान में थे।

लोकसभा चुनाव की यह प्रोसेस कुल 43 दिन तक चली। अब 4 जून को पिछले 80 दिनों का इंतजार खत्म होगा। इस बार कुल 8360 उम्मीदवारों ने चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म के मुताबिक, 1333 नेशनल पार्टी से, 532 स्टेट पार्टी से, 2580 गैर मान्यता प्राप्त पार्टी से और 3915 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 2019 में 7928 और 2014 में 8205 चुनाव लड़ा था। 751 पार्टियों ने अपने कैंडिडेट उतारे थे। 2019 में ये आकंड़ा 677 और 2014 में 464 था। 543 सीटों पर सबसे ज्यादा बसपा के 487, भाजपा के 440, कांग्रेस के 327 और सीपीआई-एम के 52 उम्मीदवार मैदान में थे।

मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू होगी

चार जून को मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी। इससे पहले की तैयारी मतगणना पर्यवेक्षकों और सहायक करेंगे। सुबह पांच बजे राजनीतिक कार्यकर्ता केंद्र पर पहुंचेंगे। जहां चुनाव अधिकारी सभी को दिशा-निर्देश देंगे। एजेंट के सभी आशंका का समाधान करेंगे। इसके बाद उन्हें जहां मतगणना होनी है उस टेबल पर भेज दिया जाएगा। मोबाइल समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट रखने की अनुमति नहीं होगी। इवीएम के बाद वीवीपैट की पर्चियों की गिनती की जाएगी। हर राउंड के वोटों की गिनती के बाद पर्यवेक्षक, उम्मीदवारों के एजेंट अपनी सहमति देंगे और हस्ताक्षर करेंगे। फिर रिटर्निंग ऑफिसर हस्ताक्षर करेगा। अनिवार्य वीवीपैट का सत्यापन किया जाएगा। अगर वीवी पैट और इवीएम की गिनती में अंतर आता है तो दोबारा मतगणना होगी। आंकड़ों में मिलान नहीं हुआ तो वीवीपैट पर्ची की गिनती मान्य होगी।

64 करोड़ से अधिक हुआ मतदान

चुनाव आयोग के प्रमुख ने कहा कि देश में 64 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान किया है। 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव में रिकॉर्ड मतदान हुआ है।

किस पार्टी ने कितनी रैली कीं

2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी ने सबसे ज्यादा 206 रैलियां और रोड शो किए। 80 इंटरव्यू दिए। 2019 में उन्होंने 145 चुनावी कार्यक्रम किए थ। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने 118 रैलियां और रोड शो किए हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्?डा ने 88 रैलियां और रोड शो किए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 107, प्रियंका गांधी ने 108 रैलियां और रोड समेत बाकी चुनावी कार्यक्रम किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने 100 से ज्यादा इवेंट में हिस्सा लिया।

एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद जमकर झूमा बाजार; सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाया रिकॉर्ड

ऑल टाइम हाई पर, सेंसेक्स 76,738 और निफ्टी 23,338 के रिकॉर्ड हाई पर

निवेशकों ने 13.7 लाख करोड़ कमाए

-एक साल में 22 फीसदी ज्यादा चढ़ा सेंसेक्स, 5 जून 2023 को सेंसेक्स 62787 था जो 3 जून को 76,738

मुंबई(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम से एक दिन पहले और एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद सोमवार को शेयर बाजार जमकर झूमा। सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में अपने-अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2777 पॉइंट की तेजी के साथ 76,738 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने भी 808 पॉइंट की तेजी के साथ 23,338 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में बाजार अपने ऊपरी स्तरों से थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 2,507 पॉइंट के तेजी के साथ 76,468 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 733 पॉइंट चढक़र 23,263 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट रही। शेयर बाजार में आई इस तेजी से कारोबार के दौरान निवेशकों की वेल्थ लगभग 13,78,630 करोड़ रुपए बढ़ गई है।

बीएसई का मार्केट कैप शुक्रवार को 4,12,12,881 करोड़ रुपए था जो सोमवार को बढक़र 4,23,71,233 करोड़ रुपए पहुंच गया है। पिछले 2 साल में यह शेयर बाजार की एक दिन में सबसे ज्यादा बढ़त है। इससे पहले 30 अगस्त 2022 को सेंसेक्स में 1500 अंक से ज्यादा की तेजी रही थी। सुबह 10 बजे सेंसेक्स 76.050 और निफ्टी 23,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एक साल में सेंसेक्स 22 फीसदी ज्यादा चढ़ा है। 5 जून 2023 को सेंसेक्स 62787 था जो 3 जून को 76,738 पहुंच गया। दरअसल, शेयर बाजार में सोमवार को अभूतपूर्व तेजी देखने को मिली। एग्जिट पोल में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की निर्णायक जीत का अनुमान लगाए जाने के बाद शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इससे निवेशकों में काफी उत्साह देखने को मिला। सेंसेक्स 1859.88 अंकों की बढ़त के साथ 75,821.19 के रिकॉर्ड स्तर पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 603.85 अंकों की उछाल के साथ 23,134.55 पर खुला। इस दौरान निफ्टी बैंक पहली बार 50 हजार के पार पहुंच गया।

निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर

एग्जिट पोल के अनुमानों में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है। लगभग सभी एग्जिट पोल्स में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों को बहुमत मिलने की उम्मीद जताई गई है। सभी अनुमानों में एनडीए को औसतम 374 सीटें मिल सकती है। चुनाव परिणाम चार जून को आने हैं। सोमवार के शुरुआती कारोबारी सत्र के दौरान बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 11.1 लाख करोड़ रुपये बढक़र 423.21 लाख करोड़ रुपये हो गया। सेंसेक्स सभी 30 शेयर सोमवार को हरे निशान पर करोबार करते दिखे। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा एंड महिद्रा के शेयर टॉप गेनर्स रहे।

रुपया 28 पैसे मजबूत होकर बंद

सेक्टरवार निफ्टी पीएसयू बैंक्र ऑयल एंड गैस, वित्तीय सेवाएं, मेटल, रियल्टी और ऑटो सेक्टर के बढ़त तीन से पांच प्रतिशत की बढ़त के खुला। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 28 पैसे मजबूत होकर 83.14 रुपए पर बंद हुआ। शुक्रवार को ये 83.42 रुपए पर बंद हुआ था। गुरुवार को क्रूड ऑयल की कीमतों में हल्का बदलाव दिखा। यह बदलाव ओपीईसी की ओर से 2025 में कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के संकेत देने के बाद आया है। इससे पहले मई महीने के आखिरी दिन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1613.24 करोड़ रुपये की खरीदारी की। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 2,114.17 करोड़ रुपये की खरीदारी की। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हॉन्ग-कॉन्ग में बढ़त वहीं शंघाई में गिरावट के साथ कारोबार होता दिखा। ज्यादातर अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को हरे निशान पर क्लोजिंग हुई।

भारत की विकास दर सबसे तेज

मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारत की विकास दर 8.2 प्रतिशत रही। इसके साथ ही भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढऩे वाली इकोनॉमी रही। इससे भी निवेशकों के बीच सकारात्मक रुझान बना। सुबह 10 बजकर 39 मिनट पर सेंसेक्स 1,989.44 (2.68 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 75,978.12 जबकि निफ्टी 608.35 (2.70 प्रतिशत) अंक मजबूत होकर 23,139.05 पर कारोबार करता दिखा।

अदाणी समूह के शेयरों में 16 प्रतिशत तक की बढ़त

एग्जिट पोल्स में एनडीए सरकार की वापसी के अनुमानों के बाद अदाणी समूह के शेयरों में सोमवार के शुरुआती कारोबार में 16 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। सोमवार को अदाणी समूह की 10 लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 1.4 लाख करोड़ रुपये बढक़र 19.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान बीएसई पर पिछले छह महीनों में लगभग दोगुना हो चुके अदाणी पावर के शेयर 16 प्रतिशत चढक़र 52 हफ्तों के उच्चतम स्तरों पर 875 रुपये पर पहुंच गए। निफ्टी में अदाणी पोट्र्स के शेयर 9 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर रहे। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

एसबीआई का शेयर ऑल टाइम हाई पर

एसबीआई 8 लाख करोड़ के मार्केट कैप को पार करने वाली सातवीं भारतीय लिस्टेड कंपनी बन गई है। बैंक का शेयर सोमार को 912 रुपए के नए रिकार्ड हाई पर पहुंचा। हालांकि, दिनभर कारोबार करने के बाद शेयर अपने हाई से थोड़ा नीचे आकर 9.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 909.05 रुपए पर बंद हुआ। मार्केट क्लोजिंग के बाद बैंक का मार्केट कैप 8.07 लाख करोड़ हो गया है।

राष्ट्रपति भवन में शुरू हुई नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति भवन ने आधिकारिक प्रक्रिया के तहत केंद्र में बनने वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण की शुरुआती तैयारी शुरू कर दी है। इस भव्य आयोजन से पहले राष्ट्रपति भवन को अगले कुछ दिन में अच्छे से सजाने-संवारने की तैयारी है। सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट और दूसरी सरकारी एजेंसियां इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के आयोजन में जुटी हैं। खबर है कि शपथ ग्रहण समारोह के लिए सजावटी पौधों के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं।

4 जून को मतगणना पूरी होने और चुनाव आयोग द्वारा आधिकारिक परिणाम घोषित किए जाने के बाद राष्ट्रपति भवन परिसर में शपथ ग्रहण समारोह कहां करना बेहतर होगा और आमंत्रित किए जाने वाले मेहमानों की संख्या कितनी होगी, इन सभी पर अंतिम फैसला किया जाएगा।

लोकसभा चुनावों के परिणाम औपचारिक रूप से अधिसूचित होने के बाद भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ 5 या 6 जून को राष्ट्रपति से मिलेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्त राष्ट्रपति को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 73 के तहत जारी अधिसूचना की प्रति सौंपेंगे, जिसमें नवनिर्वाचित लोकसभा सांसदों के नाम शामिल होंगे। सूची सौंपे जाने के बाद 18वीं लोकसभा के गठन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी।

लोकसभा चुनाव 2024 : सवेरे 9 बजे से मिलने लगेंगे रुझान

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती से पहले तैयारियां पूरी हो गई हैं। सवेरे 8 बजे से 8।30 बजे तक पोस्टल मतों की गिनती होगी फिर ईवीएम खुलेंगी। 9 बजे से रुझान मिलने लगेंगे। 80 दिन की प्रक्रिया के बाद 51 पार्टियों के 8360 उम्मीदवारों की किस्मत का फ़ैसला होगा। 7 चरणों में 543 सीटों पर हुए मतदान के बाद मंगलवार को लोकसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। इसके साथ ही साफ हो जाएगा कि देश के सिंहासन पर कौन काबिज होगा। एक तरफ एनडीए है तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन, हालांकि एग्जिट पोल्स ने एक बार फिर मोदी सरकार की वापसी का अनुमान जताया है। लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित होंगे।

एग्जिट पोल्स के पोल ऑफ पोल्स के आकलन के मुताबिक एनडीए को 365 सीटें, इंडिया गठबंधन को 146 सीटें और अन्य को 32 सीटें मिलने की संभावना है। लोकसभा की कुल 543 सीटें हैं और बहुमत के लिए 272 सीटें जरूरी हैं।

स्पेक्ट्रम नीलामी में केंद्र सरकार को मिला सबसे कम राजस्व

नई दिल्ली (ईएमएस) । 6 जून से स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू होने जा रही है। नीलामी में बोली लगाने वाली कंपनियों ने ऑनेस्ट मनी के रूप में मात्र 4350 करोड रुपए जमा किए हैं।पिछले 10 साल में यह सबसे कम राशि है।

2022 में ईएमडी के रूप में सरकार को 5 गुना अधिक राशि प्राप्त हुई थी। 6 जून से शुरू होने वाली नीलामी में रिलायंस जिओ, भारतीय एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने संयुक्त रूप से ईएमडी की राशि जमा की है। पहली बार लाइव एक्शन के लिए नीलामी के कैटलॉग जारी किए जाएंगे।

केंद्र सरकार ने 10523 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम के लिए 96317 करोड रुपए रिजर्व प्राइज तय की है। नियमों के अनुसार ईएमडी में जमा राशि के आधार पर कंपनियों को अंक प्राप्त होते हैं। अंक के आधार पर ही उन्हें सर्कल की संख्या और स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है।

एग्जिट पोल के बाद सोनिया गांधी का पहला बयान

इंतजार करिए, नतीजे हमारी उम्मीद के मुताबिक ही होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम कल यानी चार जून को जारी किए जाएंगे। इससे पहले आए एग्जिट पोल्स में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है। इन पोल्स में विपक्षी गठबंधन को 150 के आसपास सीटें मिलने का दावा किया गया है। इस बीच कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी का बयान सामने आया है। एग्जिट पोल्स के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना होगा। बस इंतजार करें और देखें। हमें पूरी उम्मीद है कि नतीजे एग्जिट पोल के नतीजों से बिल्कुल उलट होंगे।

मंगलवार को घोषित होने वाले नतीजों से उनकी उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर सोनिया गांधी ने कहा कि हमें इंतजार करना होगा। नतीजे एग्जिट पोल में दिखाए गए नतीजों से बिल्कुल उलट होंगे। दरअसल, सोनिया गांधी डीएमके कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थीं। यहां से निकलते वक्त उन्होंने यह टिप्पणी की। इससे पहले सोनिया गांधी ने डीएमके के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

इंडिया ब्लॉक 295 सीटें जीतेगा

कांग्रेस नेताओं का दावा है कि इंडिया ब्लॉक 295 सीटें जीतेगा और सरकार बनाएगा। इससे पहले करुणानिधि की 100वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि करुणानिधि की 100वीं जयंती के अवसर पर डीएमके के अपने सहयोगियों के साथ यहां आकर मुझे खुशी हो रही है। मुझे कई मौकों पर उनसे मिलने, उनकी बातें सुनने और उनके ज्ञान और सलाह से लाभ उठाने का सौभाग्य मिला। मैं उनसे मिलकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस करती थी।

परिणाम से पहले हिमाचल में हलचल......तीनों निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने तीनों निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार किए हैं। अब तीनों निर्दलीय विधायक कृष्ण लाल ठाकुर, होशियार सिंह और आशीष शर्मा विधानसभा के सदस्य नहीं रहे। ठाकुर- नालागढ़, होशियार सिंह- देहरा और आशीष शर्मा- हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। निर्दलीय विधायकों ने 22 मार्च को अपने सदस्यता से इस्तीफा देकर 23 मार्च को बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। इसके बाद छह महीने में हिमाचल प्रदेश के तीन अन्य विधानसभा क्षेत्र में भी उपचुनाव होगा।

विधानसभा अध्यक्ष पठानिया ने कहा कि 22 मार्च को तीन निर्दलीय विधायकों ने इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की वजह से फैसले सुनने में कुछ वक्त लगा। पठानिया ने कहा कि सत्तापक्ष के सदस्य जगत सिंह नेगी की ओर से दल बदल कानून के तहत तीन निर्दलीय विधायकों की सदस्यता रद्द करने को लेकर भी एक याचिका आधार की गई है।

तीनों निर्दलीय विधायकों ने अपना इस्तीफा स्वीकार होने पर खुशी जाहिर की है। नालागढ़ के विधायक रहे ठाकुर ने कहा कि यह देर आए, दुरुस्त आए जैसा है। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि सभी निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे पहले ही स्वीकार हो जाते, ताकि लोकसभा चुनाव के साथ ही यह उपचुनाव भी होते। ठाकुर ने कहा कि अब उन्हें अगर विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी की ओर से टिकट मिलता है, तब मैं उप चुनाव लड़ूंगा।

बता दें कि तीनों निर्दलीय विधायकों ने इस्तीफा स्वीकार न होने के मामले में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की हुई है। संभव है कि तीनों निर्दलीय विधायक अब जल्द ही यह याचिका हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट से वापस ले लें।

मुंबई की एक विशेष अदालत की टिप्पणी

माल्या, नीरव मोदी और चोकसी इसलिए भागे क्योंकि एजेंसियां पकडऩे में विफल रहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने हाल ही में कहा कि लाखों डॉलर के घोटालों में शामिल नीरव मोदी, मेहुल चोकसी और विजय माल्या इसलिए देश से भागने में सफल रहे क्योंकि जांच एजेंसियां उन्हें उचित समय पर गिरफ्तार करने में विफल रहीं। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत आरोपी की जमानत की शर्तों में बदलाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने 29 मई को धन शोधन के एक मामले में आरोपी व्योमेश शाह की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें उसने विदेश यात्रा के लिए अदालत से पूर्व अनुमति लेने की जमानत शर्त को वापस लेने का अनुरोध किया था। इस मामले में विस्तृत आदेश हाल ही में उपलब्ध कराया गया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तर्क दिया था कि शाह के आवेदन को अनुमति देने से नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चोकसी जैसे मामलों का इजाफा होगा। जांच एजेंसी की दलील को खारिज करते हुए न्यायाधीश ने कहा, मैंने इस दलील पर विचार किया और यह गौर करना जरूरी समझा कि ये सभी लोग इसलिए भाग गए क्योंकि संबंधित जांच एजेंसियां इन्हें उचित समय पर गिरफ्तार नहीं कर पाईं।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत शाह समन के जवाब में अदालत में पेश हुए, जमानत हासिल की और कई बार विदेश यात्रा के लिए आवेदन किया। अदालत ने कहा कि शाह के मामले की तुलना नीरव मोदी, विजय माल्या, मेहुल चोकसी आदि के मामलों से नहीं की जा सकती। हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसका मामा मेहुल चोकसी पीएनबी घोटाले में मुख्य आरोपी हैं। नीरव मोदी फिलहाल ब्रिटेन में जेल की सजा काट रहा है जबकि उसके मामा एंटीगुआ में रहते हैं। माल्या इस समय ब्रिटेन में हैं और वह 900 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं। जिसकी जांच ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रहे हैं।

टोल बढ़ने से यात्रा भी हुई महंगी

मुंबई, (ईएमएस)। केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई की ओर से लिए गए एक अहम फैसले के कारण अब सफर का खर्च और बढ़ जायेगा. क्योंकि, टोल दरों में बढ़ोतरी सोमवार से लागू हो गई है. इससे नेशनल हाईवे पर सफर के दौरान अब यात्रियों की जेब ढीली करनी पड़ेगी।

ताज एक्सप्रेस की 4 बोगियों में लगी आग

सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गय

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के सरिता विहार थाने के पास ताज एक्सप्रेस की 4 बोगियों में आग लग गई। सूचना मिलते ही 6 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची। डीसीपी रेलवे के जानकारी के अनुसार ट्रेन में आग लगने की घटना में किसी व्यक्ति को कोई चोट या नुकसान नहीं पहुंचा है। समय रहते ही सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला लिया गया है।

दिल्ली जल संकट पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

यमुना रिवर बोर्ड इमरजेंसी मीटिंग करे

दिल्ली-हरियाणा और हिमाचल सरकारें शामिल हों

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली जल संकट को लेकर सुनवाई की। कोर्ट ने अपर यमुना रिवर बोर्ड को 5 जून को इमरजेंसी मीटिंग बुलाने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस पी के मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की वेकेशन बेंच ने कहा कि केंद्र, दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की सरकार इसके लिए सहमत हैं।

दरअसल, दिल्ली सरकार ने जल सकंट पर 31 मई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोडऩे का निर्देश देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि सभी राज्य इस बात पर सहमत हुए कि दिल्ली के नागरिकों के सामने पानी की कमी की समस्या को लेकर आपस में टकराव नहीं करेंगे। दिल्ली की समस्या का समाधान किया जाएगा। इस मामले पर 6 जून को अब अगली सुनवाई होगी, जिसमें यमुना रिवर बोर्ड की बैठक में दिल्ली जल संकट को दूर करने के लिए राज्यों के सुझावों को कोर्ट के सामने रखा जाएगा।

के. कविता की बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता की न्यायिक हिरासत पर सुनवाई हुई। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने के कविता की न्यायिक हिरासत को तीन जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है। बीआरएस एमएलसी और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को ईडी ने हैदराबाद स्थित परिसरों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। के. कविता की गिरफ्तारी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में हुई। ईडी ने दावा किया था कि के कविता दिल्ली आबकारी घोटाले में कारोबारियों की साउथ लॉबी से जुड़ी हुई थी। के कविता की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के प्रवक्ता ने कहा था कि के कविता की गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित है। दावा किया कि भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे से मिले हुए हैं। ईडी ने के कविता को हैदराबाद स्थित बंजारा हिल्स के घर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ईडी दिल्ली लेकर आई और राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था।

अभी भी नहीं लौटे 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के 2000 हजार रुपये के नोट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि 2000 हजार रुपये मूल्य के 97.82 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाये गए सिर्फ 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी लोगों के पास हैं। रिजर्व बैंक ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

चलन में 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया।

आरबीआई ने कहा कि ये नोट अब भी लीगल टेंडर बने रहेंगे। 2000 के नोट 2016 में हुए नोटबंदी के बाद सर्कुलेशन में आए थे। बैंकों में नोट बदलने या जमा करने की आखिरी तारीख 7 अक्टूबर 2203 थी। अब सिर्फ आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में नोट बदले या जमा किए जा रहे हैं।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, इस प्रकार 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। 7 अक्टूबर 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक ब्रांच में उपलब्ध थी।

आरबीआई के ऑफिसों में 9 अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से आरबीआई के किसी भी ऑफिस में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं।

बैंक नोट को जमा/बदलने वाले ँद के 19 ऑफिस अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं।

कश्मीर के पुलवामा में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

इसमें टॉप कमांडर रियाज अहमद डार शामिल; कई आतंकी हमलों में शामिल रहा था

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों का एनकाउंटर किया। ये मुठभेड़ पुलवामा जिले के निहामा एरिया में चल रही थी। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर पहले फायरिंग की थी। इस एनकाउंटर में साल 2015 से घाटी में एक्टिव टॉप कमांडर रियाज अहमद डार मारा गया है। वो घाटी में हुए कई आतंकी हमलों में शामिल था। सुरक्षाबलों ने दोनों आतंकियों के शव बरामद कर लिए हैं। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वी के बिरधी ने बताया कि एक और आतंकी की पहचान की जा रही है।

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस और सेना की एक जॉइंट टीम ने निहामा में घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान छिपे हुए आतंकियों ने उन पर हमला कर दिया था। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई थी। मुठभेड़ में मारे गए टॉप कमांडर रियाज डार के परिवार को मुठभेड़ स्थल पर लाया गया था है, ताकि उनके कहने पर वह सरेंडर कर दे।

सुप्रीम कोर्ट ने विज्ञापन एजेंसियों द्वारा विज्ञापन जारी करने से पहले स्व-घोषणा अनिवार्य की

नई दिल्ली (ईएमएस)। उच्चतम न्यायालय ने रिट याचिका सिविल संख्या 645/2022-आईएमए एवं एएनआर बनाम यूओआई एवं ओआरएस मामले में अपने दिनांक 07.05.2024 के आदेश में निर्देश दिया कि सभी विज्ञापनदाताओं/विज्ञापन एजेंसियों को किसी भी विज्ञापन को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले एक स्व-घोषणा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी और रेडियो विज्ञापनों के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के प्रसारण सेवा पोर्टल और प्रिंट एवं डिजिटल/इंटरनेट विज्ञापनों के लिए भारतीय प्रेस परिषद के पोर्टल पर एक नई सुविधा शुरू की है।

विज्ञापनदाता/विज्ञापन एजेंसी के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र को इन पोर्टलों के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। पोर्टल 4 जून, 2024 से काम करने लगेगा। सभी विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों को 18 जून, 2024 या उसके बाद जारी/टेलीविजन प्रसारण/रेडियो पर प्रसारित/प्रकाशित होने वाले सभी नए विज्ञापनों के लिए स्व-घोषणा प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक है। सभी हितधारकों को स्व-प्रमाणन की प्रक्रिया से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने के लिए दो सप्ताह का अतिरिक्त समय रखा गया है। वर्तमान में चल रहे विज्ञापनों को स्व-प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।

जन हितैषी

लोकसभा चुनाव 2024 ने बनाया लंबी अवधि का रिकॉर्ड

भारत में लोकसभा चुनाव 2024 का प्रचार और मतदान सात चरणों में 44 दिनों में संपन्न हुआ। यह अभी तक की सबसे लंबी अवधि का चुनाव साबित हुआ है। 1996 के लोकसभा चुनाव 11 दिन में संपन्न हुए थे। 1998 का लोकसभा चुनाव 20 दिन में संपन्न हुआ था। 2000 में लोकसभा के चुनाव 21 दिन में संपन्न हुए। 2004 का लोकसभा चुनाव भी 21 दिन में संपन्न हुआ था। उसके बाद से लगातार चुनाव की समयावधि बढ़ती गई है। 2009 में 28 दिन, 2014 में 36 दिन और 2019 में 39 दिन में लोकसभा के चुनाव संपन्न हुए थे। मौजूदा 2024 के लोकसभा चुनाव की अवधि 44 दिन रही, जो अभी तक का सबसे ज्यादा दिनों का रिकॉर्ड है। 1996 से लेकर 2024 के बीच का काल देश में संचार क्रांति के रुप में जाना जाता है। इस दौरान गांव-गांव तक फोन और इंटरनेट का विस्तार हो गया। परिवहन यातायात के साधन सुलभ हुए। खूब अच्छी सड़कें बनीं। हर गांव से पहुंच मार्ग मुख्य सड़क तक मिल गया। चुनाव ईवीएम मशीन से होने लगे। हवाई जहाज चलने लगे। चांद पर हमने अपना चंद्रयान भी उतार दिया। इसके बाद भी आम चुनाव की अवधि बढ़ती चली गई। तमाम व्यवस्थाओं के बीच चुनाव हुए, इसके बाद भी 2024 का लोकसभा चुनाव की अवधि कम होने के स्थान पर और बढ़ती चली गई, यह हैरान करने वाली बात है।

सत्ता पक्ष की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी 543 लोकसभा क्षेत्रों में अपने चेहरे पर चुनाव लड़ रहे थे। सात चरण में मतदान होने से हर चरण में चुनाव प्रचार करने की अवधि अलग-अलग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे बिरले उम्मीदवार और पार्टी के स्टार चुनाव प्रचारक रहे हैं जो प्रत्येक चरण से लेकर अंतिम चरण तक जहां-जहां चुनाव होने तक 44 दिन लगातार प्रचार करते रहे। कोई भी राज्य हो, कोई भी चरण हो, प्रधानमंत्री 24 घंटे हर समय मतदाताओं के सामने चुनाव प्रचार के लिए बने रहे। इस लोकसभा चुनाव में सभी राज्यों में सबसे ज्यादा जनसभा और रैलियां करने का रिकॉर्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर है। उसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने देश भर में 188 रेलियों को संबोधित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव के सातों चरणों में इनका चुनाव प्रचार सतत चलता रहा। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने सरकारी सुरक्षा में रहते हुए चुनाव प्रचार किया। इस चुनाव प्रचार में मीडिया के सभी राष्ट्रीय चैनल लगातार दोनों का प्रसारण करते रहे। भले ही प्रत्येक चरण के मतदान के दौरान चुनाव आचार संहिता के अंतर्गत चुनाव प्रचार में रोक लग गई हो, मतदान के दिन किसी तरीके का प्रचार नहीं किया जा सकता हो, लेकिन वहां पर भी टेलीविजन के माध्यम से लगातार प्रचार-प्रसार होता रहा। 44 दिन की लंबी समयावधि चुनाव आयोग ने शायद इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए सात चरणों में चुनाव संपन्न कराने का काम किया है। बहरहाल इन तमाम व्यवस्थाओं के बीच 2024 का लोकसभा चुनाव अपनी लंबी अवधि के लिए इतिहास में जरुर दर्ज किया जाएगा।

कत्ल की रात के पहले और बाद

अठारहवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे आने से पहले आज की रात कत्ल की रात है। कत्ल की रात हिन्दू नहीं मनाते लेकिन इस मुहावरे का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हिन्दू ही करते हैं। दरअसल कत्ल की रात मोहर्रम की नौवीं तारीख को हजरत इमाम हुसैन की शहादत के एक दिन पहले की रात होती है। यही वजह है कि दुनिया भर के मुसलमान इस रात को कत्ल की रात के नाम से याद करते हैं। लेकिन हर मुश्किल फैसले से पहले की रात को अब हिंदुस्तान में कत्ल की रात कहा जाता है।

सबको मालूम होता है कि कल कत्ल होने वाला है ऐसे में शहादत देने वाले और कत्ल करने वाले के साथ ही दोनों पक्षों के लिए सुबह होने तक रात आँखों में ही कटती है। हिंदुस्तान में सियासत करने वाले नेताओं के लिए चुनाव के नतीजे आने से पहले की रात कत्ल की रात ही कही और मानी जाती है। अच्छी बात ये है कि भारत में भाजपा कत्ल की रात का जुमला शायद नहीं मानती,क्योंकि इस जुमले की जड़ में इस्लाम की एक कहानी है। और इस्लाम से भाजपा को न जाने क्यों नफरत है भाजपा को कत्ल करना तो आता है लेकिन शहादत देना नहीं आता। .भाजपा की मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में भी शायद शहादत देने का पाठ नहीं पढ़ाया जाता। यही वजह है कि आजादी से पहले और आजादी के बाद न संघ के पास देश पर मर मिटने वाले शहीदों की अपनी कोई सूची नहीं है। भारत की आजादी के 33 साल बाद जन्मी भाजपा केपास तो इस तरह की कोई सूची होने का सवाल ही नहीं उठता। भाजपा के अविनाशी और गैर-वायलॉजिकल नेता भी आजादी के बाद पैदा हुए

किस्सा कत्ल की रात का था। देश के गोदी मीडिया ने चुनावी नतीजे आने से पहले ही भाजपा के तीसरी बार सत्ता में लौटने का ऐलान कर दिया है। गोदी मीडिया ये सब न भी करता तो भी कत्ल की रात पर कोई असर नहीं पड़ता। भाजपा माने या न माने लेकिन कत्ल की रात तो दूसरे राजनीतिक दलों की तरह उसके लिए भी है। कत्ल की रात में आँखों से नींद उड़ जाती है। लोग सारी रात या तो भजन-कीर्तन करते हैं या माला जपते हैं। देश में आज भी सब कुछ पहले की तरह ही होगा सिवाय इसके कि कत्ल की रात से पहले देश को दूध पिलाने वाली सबसे बड़ी संस्था ने दूध के दाम दो रूपये किलो बढ़ा दिए और कत्ल की रात के बाद टोल टैक्स की दरें भी बढ़ी हुई देना पड़ेंगीं।

नयी सरकार हिन्दू-मुसलमान करने वालों की आये या मोहब्बत की दूकान खोलने वालों की ,इससे कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला ,क्योंकि अभी भी ये देश असली और नकली हीरो की पहचान करने के लायक नहीं हुआ। आम चुनावों के साथ हुए सिक्किम विधानसभा के चुनाव में सिक्किम की जनता ने भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया को एक बार फिर चुनावी राजनीति में हार का स्वाद चखना पड़ा। , भूटिया बारफुंग सीट पर सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के रिक्शल दोरजी भूटिया से 4,346 वोटों के अंतर से हार गए। सीधी सी बात ये है कि आज भी देश की अवाम की आँखों से शायद रतौंधी गयी नहीं है।

कल 4 जून को जब ईवीएम मशीनें अपना मुंह खोलेंगी तो मुमकिन है कि तमाम भूटिया चुनाव हारें और तमाम जीतें भी। जनादेश चाहे जैसा आये हम सभी को बिना किसी शक-सुबह के शिरोधार्य करना पडेगा। जनादेश को शिरोधार्य करने के अलावा कोई दूसरा चारा होता ही नहीं है। हमारे यहां तो मशीनों का मुंह खुलने से पहले ही अन्तर्यामी नेताओं को पता चल जाता है कि वे या उनका दल कितनी सीटें जीत चुका है। केंद्रीय गृहमंत्री श्रीमान अमित शाह दूसरे-तीसरे चरण के मतदान के बाद से ही भाजपा कितनी सीटें जीत गयी है, इसका आंकड़ा जनता को बताने लगे थे ,इस हिदायत के साथ की - किसी से कुछ कहना नहीं। जनादेश के बारे में नेता,मशीनें और मीडिया सब कुछ जानते हैं केवल जनादेश देने वाली जनता कुछ नहीं जानती। वो जान भी नहीं सकती और उसे जानना भी नहीं चाहिए ,क्योंकि उसके हाथ में कुछ है ही नहीं। उसकी आँखों के सामने से जनादेश हड़प लिया जाता है।

जनादेश कैसा होगा ,ये हम भी नहीं जानते। मीडिया वालों ने जो संकेत दिए हैं उनसे ज्यादा भरोसा हमें पहले से बदनाम हो चुकी ईवीएम मशीनों के ऊपर हैं। ऊपर वाले ने जब जनता और देश कि किस्मत में फैसला करने का हक इन मशीनों को ही दे दिया है तो हमें इन्हीं पर भरोसा करना पडेगा। मुमकिन है कि मशीनें मतदान करने वाले मतदाता के फैसले के सामने नतमस्तक हो जाएँ और बेईमानी करने से मना कर दें। मुमकिन है कि ऐसा न भी हो। लेकिन जो होगा उसे हंसी-ख़ुशी कबूल करना ही अवाम की विवशता है। जनादेश कि समीक्षा नहीं होती। उसका पुनर्मूल्यांकन भी नहीं होता। इक्का-दुक्का सीटों के परिणामों को कोई चुनौती दे सकता है लेकिन समूचे जनादेश को चुनौती नहीं दी जा सकती। नहीं दी जाना चाहिये। फिर से अगले पांच साल का इन्तजार करना चाहिए।

अदावत की राजनीति के मौजूदा युग में हमारी किसी से भी अदावत नहीं है। न नफरत फ़ैलाने वालों से और न मोहब्बत की दुकानें चलाने वालों से ,अर्थात ना काहू से दोस्ती,ना काहों से बैर। ये फार्मूला मेरा नहीं है ,बाबा कबीर दास का है। वे कहते रहे कि -

कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर,

ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर''

गरीब जनता खैर ही मना सकती है ,इसके अलावा उसके पास कोई अधिकार,कोई अवसर बचा ही नहीं है। उसे अपने मंगलसूत्र के लिए खैर मनाना पड़ती है, उसे आरक्षण के लिए खैर मानना पड़ती है, उसे मुजरा करने वालों पर भी नजर रखना पड़ती है,उसे देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने वालों से भी दो-चार होना पड़ता है। जनता कुल मिलाकर निरीह है। उसने किसके पक्ष में मतदान किया ये या तो वो खुद जानती है या उसका ईश्वर /अल्लाह। मशीने तो बेचारी कमांड पर चलतीं है। उन्हें दोष देने या उनकी निंदा करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। कल के बाद जो भी सत्ता के सिंहासन पर आएगा वो आपने मन की करेगा। जन,गण,मन से उसका क्या लेना-देना। जन ,गण ,मन को तो अधिनायक जय हे ही करना है। दस साल में जनता को इसका अभ्यास भी हो गया है। जनता पहले भी अधिनायक की जय बोल चुकी है ,आगे भी बोले तो हैरानी कैसी ?

ये देश गोया सनातनियों का देश है इसलिए यहां वो सब चलता है, जो नहीं चलना चाहिए। मुझे तो नतीजों से ज्यादा फ़िक्र उन 85 करोड़ मतदाताओं की है जो अगले पांच साल के लिए मुट्ठी बाहर अनाज के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। मुझे चिंता ऊब जिसानों कि है जो सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ सत्याग्रह करते-करते सत्ता के बैरी बन चुके हैं। मुझे फ़िक्र उन नैजवानों कि है जो नक्सलियों कोई भाषा बोलते से लगते है। ऐसे लोग राहुल गांधी भी हो सकते हैं और उनके तमाम समर्थक भी। मुझे चिंता उन 20 करोड़ अल्पसंख्यकों की है जिन्हें हमारी अपनी सर्कार ने चुनाव में हौवा बनाकर पेश किया। जो भी हो लेकिन मेरी एक ही कामना है कि कत्ल की रात के बाद जब नयी सुबह हो तो सड़कों पर कहीं भी खूंरेजी नजर न आये। कहीं भी अदावत के बेशर्म पौधे न रोपे जाएँ। कोई गाली-गलौच भी न करे। भले ही गालियों के अभाव में हमारे आज रात तक के माननीय प्रधानमंत्री जी को गालियों का विकल्प खोजना पड़े। मैं गरीब आदमी हूँ ,इसलिए नेताओं के मुंह में तो घी-शक़्कर भर नहीं सकता लेकिन यदि मशीने ईमानदार रहीं तो उनके नाम की सिन्नी जरूर सिद्ध बाबा के थान पर चढ़ाऊंगा। जय लोकतंत्र। जय जन-गण-मन। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

जीत के नये मानक गढ़ती भाजपा और निस्तेज होता विपक्ष

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एडीए) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इन सर्वेक्षणों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभालते हुए पूर्व के सारे रिकार्ड को ध्वस्त कर देंगे। मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रभावी एवं चमत्कारी प्रदर्शन से जनता का दिल जीता है और उनके देश-विकास के कार्यक्रमों पर जनता ने मोहर लगाई है। विपक्ष के लिये जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुस्लिम तुष्टीकरण, मुफ्त की रेवडियां बांटने, संविधान बचाने के भ्रामक ड्रामा एवं देश तोड़ने की सोच से ऊपर उठकर विपक्ष की भूमिका का सार्थक करें। कोई भी एग्जिट पोल चुनाव परिणाम तो नहीं होता, लेकिन बातों ही बातों में चुनाव परिणामों की ओर इशारे कर जाता है, जो अक्सर समय की कसौटी पर सही साबित होते आये हैं, वास्तविक नतीजे मंगलवार 4 जून को देर शाम तक प्राप्त हो पाएंगे। जिसमें भाजपा एक बार फिर सारे मिथक तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। भाजपा की सफलता को इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि उसने सारे विपक्षी दलों के गठबंधन एवं शक्ति को मात दी। भाजपा न केवल अपनी सरकार बचाते हुए दिख रही है बल्कि भारत को एक नये युग में ले जाने के लिये प्रतिबद्ध दिख रही है। निश्चित ही सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने के लिये भाजपा एक लहर बन चुकी है और इस लहर ने पूरे मुल्क के स्वाभिमान को एक नई ऊंचाई दी है।

अब भारत का मतदाता परिपक्व हो चुका है, उसे जाति, धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर गुमराह नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र जिस रूप में सशक्त हो रहा है, उसी के अनुरूप राजनीतिक चरित्र को गढ़ना होगा, उसके प्रति भी राजनीतिक दलों को एहसास कराना होगा, जहां से राष्ट्रहित, ईमानदारी और नए मनुष्य की रचना, सशक्त अर्थव्यवस्था एवं विकास की तीव्र रफ्तार, खबरदार भरी गुहार सुनाई दे। कोई भी दल हो, अगर ये एहसास नहीं जागता है तो मतदाता दिखा देता है उनको शीशा, वही छीन लेता है उनके हाथ से दियासलाई और वही उतार देता है सत्ता का मद। कहने का मतलब सिर्फ इतना सा है कि देश की सियासी फिजां को बदलने में विपक्षी दलों को अधिक ईमानदार, जिम्मेदार एवं पारदर्शी होना होगा। विपक्ष दल अपनी जिम्मेदारियां से भागते हुए देश से ज्यादा दल को महत्व देने का परिणाम इन चुनाव में देख लिया है। भाजपा की तुलना में अन्य दलों पर दाग ज्यादा और लम्बे समय तक रहे हैं। इन दलों को न केवल अपने बेदाग होने के पुख्ता प्रमाण देना होगा, बल्कि जनता के दर्द-परेशानियों को कम करने का रोड मेप तैयार करते हुए अपना विपक्षी होने के धर्म को निभाना होगा, तभी वे आदर्श विपक्ष के हकदार बन सकेगे।

हमने इन चुनावों में देखा है कि केवल झूठे आश्वासनों से मतदाता को गुमराह करने के दिन अब लद गये है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि विभिन्न विपक्षी दल अपने को, समय को, अपने भारत को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को पहचानने वाला साबित नहीं कर पाये हैं। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, उसने चौदह गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। देश को बांटने एवं तोड़ने वाले मुद्दे कब तक भाप बनते रहेगे? भाजपा को चुनौती देनी है तो विपक्षी दलों को अपना चरित्र एवं साख दोनों को नये रूप में एवं सशक्त रूप में प्रस्तुति देनी होगी। अन्यथा इन लोकसभा चुनावों की तरह आगे के जितने भी चुनाव होंगे उनके चुनाव परिणाम इसी तरह निराश करते रहेंगे।

इससे विचित्र और हास्यास्पद और कुछ नहीं कि कांग्रेस समेत अन्य इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एक ओर जोर-शोर से यह दावा करने में लगे हैं कि उनके गठबंधन को लोकसभा चुनाव में 295 सीटें मिल रही हैं, सपा नेता अखिलेश उत्तरप्रदेश में 80 में 79 सीटों पर जीत का दावा किया, जब एग्जिट पोल ने उनके इन दावों की पोल खोल दी, आज घोषित हो रहे चुनाव परिणामों में भाजपा जब ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है तो विपक्षी दलों के नेता मतगणना में गड़बड़ी की निराधार आशंकाएं जताकर भ्रम फैलाने में लगे हैं। भ्रम फैलाने की इसी कोशिश के तहत कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने यह अनर्गल दावा किया कि मतगणना को प्रभावित करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने देश के 150 जिलों के जिलाधिकारियों को फोन किया है। उन्होंने यह बेतुका आरोप लगाते हुए यह समझा होगा कि इससे उन्हें एक फर्जी नैरेटिव खड़ा करने में मदद मिलेगी और उनकी हार पर पर्दा पड़ जायेगा। यह विडम्बना एवं विसंगति विपक्षी दलों को मजबूत करने की बजाय लगातार कमजोर ही कर रही है। वैसे भी भारत में जितने भी राजनैतिक दल हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता प्राप्ति की होड़ में सभी एक ही संस्कृति को अपना लेते हैं। मूल्यों की जगह कीमत की और मुद्दों की जगह मतों की राजनीति करने लगते हैं। चुनावों की प्रक्रिया को ही नहीं, चुनाव मतगणना की प्रक्रिया को भी विपक्षी राजनैतिक दलों ने अपने स्तर पर भी कीचड़ भरा कर दिया है। ऐसा स्वकल्याण की सोचने वाला विपक्ष किस तरह लोक कल्याण के मुद्दों को बल देगा? बिना विचारों के दर्शन और शब्दों का जाल बुने यही कहना है कि लोकतंत्र के इस सुन्दर नाजुक वृक्ष को नैतिकता के पानी और अनुशासन की ऑक्सीजन चाहिए। जीत किसी भी दल को मिले, लेकिन लोकतंत्र को शुद्ध सांसें मिलनी ही चाहिए।

कुल मिलाकर लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत से तो पार्टी के हौसले स्वाभाविक रूप से बढ़े। इसके अलावा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस कमजोर होती दिखी, कमजोर ही क्या उसका तो लगभग सफाया ही होता जा रहा है। कांग्रेस के निष्प्रभावी केन्द्रीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस के कई कद्दावर नेता अलग हो गए। उससे भी भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। इस बार कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी कमजोर पार्टी बनकर उभरी है। उसकी कमजोरी न केवल राजनीतिक स्तर पर बल्कि मानसिक स्तर पर स्पष्ट दिख रही है। कांग्रेसी एवं विपक्षी नेताओं की हरकतों से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वे अपनी संभावित हार का ठीकरा चुनाव आयोग, मीडिया आदि पर फोड़ने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। यही कारण है कि उन्होंने एक्जिट पोल के नतीजों को न केवल अस्वीकार कर दिया, बल्कि उन्हें भाजपा प्रायोजित भी करार दिया। एक्जिट पोल को लेकर कांग्रेस इतनी दुविधाग्रस्त थी कि पहले उसने टीवी चैनलों पर होने वाली चर्चा का बहिष्कार करने का फैसला किया और फिर फजीहत होती देखकर उसमें शामिल होने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि लोगों ने राजग सरकार को फिर से चुनने के लिए रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया है। क्योंकि लोगों ने हमारी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा है। हमारी सरकार के कार्यकाल में गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों के जीवन में गुणात्मक सुधार आया है। लोगों ने यह भी देखा है कि किस प्रकार भारत में सुधारों ने देश को पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बना दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि अवसरवादी इंडिया गठबंधन मतदाताओं के दिलों को छूने के बजाय घायल ही किया। मोदी सरकार के तौर-तरीकों पर आम जनता का विश्वास ही इस ऐतिहासिक जीत का कारण बना है। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति, महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण, अर्थव्यवस्था, संविधान जैसे तमाम मुद्दे थे जिस पर जनता ने मोदी सरकार की नीतियों एवं साफ-सुथरी छवि पर मुहर लगायी है। कानून व्यवस्था, राजनीतिक अपराधियों पर अंकुश और केंद्र की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जनता को साफ संदेश मिला कि भारत में विकास, सुशासन, सुरक्षा एवं शांतिपूर्ण जीवन के लिये मोदी ही सबसे उपयुक्त है। ऐसे में ताजा नतीजे भाजपा की रणनीति एवं सिद्धान्तों पर खरे उतरें। चुनाव परिणामों का संबंध चुनावों के पीछे अदृश्य ''लोकजीवन'' से, उनकी समस्याओं से होता है। संस्कृति, परम्पराएं, विरासत, विकास, व्यक्ति, विचार, लोकाचरण से लोक जीवन बनता है और लोकजीवन अपनी स्वतंत्र अभिव्यक्ति से ही लोकतंत्र स्थापित करता है, जहां लोक का शासन, लोक द्वारा, लोक के लिए शुद्ध तंत्र का स्वरूप बनता है। जब-जब चुनावों में लोक को नजरअंदाज किया गया, चुनाव परिणाम उलट होते देखे गये हैं। लोकसभा के इन चुनाव परिणामों से विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों को सबक लेने की अपेक्षा है। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बनने जा रही भाजपा की तीसरी बार सरकार

प्रधानसेवक की भूमिका निभा पीएम मोदी ने साबित किया- राजनीति भी एक साधना और तपस्या है

भारतीय राजनीति में आजादी के बाद सर्वाधिक समय प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू रहे। वे लगभग साढ़े सत्तरह साल तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। उसके बाद श्रीमती इंदिरा गांधी जो नेहरू की बेटी रहीं, वे भी पंद्रह साल तीन सौ पचास दिन प्रधानमंत्री रहीं। भारतीय जनसंघ की स्थापना से भाजपा के अब तक के इतिहास में प्रधानमंत्री के पद पर पहले तेरह दिन, दूसरी बार तेरह महीने और तीसरी बार साढ़े चार वर्ष के करीब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे। अपने जीवन में जब वे कानपुर में स्नातकोत्तर और लॉ की पढ़ाई करने गए, तो उसके बाद वे संडीला जो उत्तरप्रदेश में एक स्थान है, वहां कुछ समय के लिए प्रचारक के रूप में रहे। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अटल जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक एवं कुछ समय प्रचारक रहे, ऐसे राजनेता भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में बात इतनी सी रही कि वे पूर्ण बहुमत वाली भाजपा के प्रधानमंत्री नहीं रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में पच्चीस वर्ष बाद ऐसे प्रधानमंत्री बने जो अपनी पार्टी भाजपा के पूर्ण बहुमत के आधार पर पहले प्रधानमंत्री बने। साथ ही उन्हे एनडीए का समर्थन था।

4 जून 2024 को आम चुनाव 2024 का परिणाम आएगा। 18वीं लोकसभा का गठन होगा। अब तक आए सभी चैनलों के चुनाव पूर्व अनुमान यह साफ संकेत दे रहे हैं कि भाजपा पूर्ण बहुमत से पुनः तीसरी बार सरकार बना रही है और श्री नरेन्द्र भाई मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेंगे। अगर गणित लगायेंगे तो वे जनसंघ से भाजपा में रहे प्रधानमंत्री अटल जी के कार्यकाल से तो काफी आगे सन 2014 और 2019 के साथ-साथ अब सन 2024 में भी रहेंगे। अटल जी और नरेंद्र भाई मोदी में जो समानता है कि अटल जी भी संघ के स्वयं सेवक और कुछ समय तक प्रचारक रहे। वहीं नरेंद्र भाई मोदी तो वर्षो तक संघ के प्रचारक रहे और प्रचारक के नाते भाजपा के संगठन महामंत्री भी रहे। नरेंद्र भाई मोदी के मुख्यमंत्री काल को जोड़ लिया जाए तो भारतीय राजनीति में तेरह वर्ष मुख्यमंत्री और दस वर्ष तक प्रधानमंत्री रहने वाले भारत के पहले राजनीतिज्ञ श्री नरेंद्र भाई मोदी ही हैं। साथ ही जैसा कि गृहमंत्री श्री अमित शाह, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी कह रहे हैं, कि सन 2029 में भी नरेंद्र भाई मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे, तो यहां यह कहने में कोई संकोच नहीं कि वे भारतीय राजनीति के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बन जायेंगे, जो भारत में प्रधानमंत्री पद पर रहने के सारे रिकार्ड तोड़ देंगे। जैसे क्रिकेट की दुनिया में सचिन तेंदुलकर ने इतना बड़ा रिकार्ड बना दिया कि अभी तक विश्व में उसे कोई तोड़ नहीं पाया। ऐसे ही विश्व के लोकतांत्रिक देश के इतिहास में 4 जून 2024 को तो इतिहास रच ही जाएगा। साथ ही सन 2029 में भाजपा और विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय ही नहीं मान्यता और स्वीकार्यता प्राप्त व्यक्तित्व नरेंद्र भाई मोदी हो जाएंगे।

लगातार तीसरी बार बहुमत से अधिक संख्या और हर बार संख्या में बढ़ोत्तरी कर न केवल भाजपा की साख बढ़ी है, बल्कि श्री नरेंद्र भाई मोदी ने यह सिद्ध किया है कि राजनीति भी एक साधना है, तपस्या है और यदि उन्होंने तपस्वी बनकर प्रधानसेवक की भूमिका निभाते हुए कहा कि मेरे लिए सिर्फ ग्यान (जीवाईएएन) अर्थात 'जी' से गरीब 'वाई' से यूथ 'ए' से अन्नदाता और 'एन' से नारी शक्ति ही सब कुछ है। न मैं जाति में विश्वास करता हूं और इन चारों के विकास के लिए और विश्व में भारत को विकसित भारत बनाने के लिए अपना जीवन का एक-एक पल लगा रहा हूं। सच भी है कि अगर वे चुनाव के समय ध्यान में भी गए तो भारत 'ग्यान' के विकास को और मजबूती के साथ ही भारत विश्व में नम्बर एक कैसे बने, इसलिए गए थे। उनकी कल्पना और दूरदृष्टि का भारत ही नहीं, विश्व भी कायल है। यही कारण है कि नरेंद्र भाई मोदी विरोधियों की चिंता किए बगैर भारत माता को वैभव पर पहुंचाने में रात-दिन लगे रहते हैं। (लेखक प्रभात झा/ईएमएस) (भाजपा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद)

टी20 विश्व कप में नामीबिया गेंदबाज ट्रम्पेलमैन ने बनाया रिकार्ड

पहले ही ओवर की पहली दो गेंदों पर विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज बने

न्यूयार्क (ईएमएस)। आईसीसी टी20 विश्व कप में नामीबिया गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन ने ओमान के खिलाफ हुए मुकाबले में लगातार दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की हे। इसी के साथ ही ट्रम्पेलमैन पहले ओवर की पहली ही दो गेंदों पर लगातार विकेट लेने वाले नामीबिया और विश्व के पहले गेंदबाज बने हैं। ट्रम्पेलमैन की घातक गेंदबाजी के आगे ओमान की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप में ट्रम्पेलमैन ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया था।

ट्रम्पेलमैन ने पहले ओमान के कश्यप प्रजापति और फिर कप्तान आकिब इलियास को आउट किया। इस गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज विवश दिखे। के तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में अपने पहले ही ओवर में दो लगातार गेंद पर विकेट लिया। 26 साल के इस गेंदबाज का जन्म साउथ अफ्रीका के डरबन में हुआ हालांकि वह नामीबिया की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं।

आईसीसी टी20 विश्व कप में पहले ओवर की पहली दो गेंद पर विकेट चटकाने वाले ट्रम्पेलमैन नामीबिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले इस टूर्नामेंट में यह कारनामा किसी गेंदबाज ने नहीं किया था।

शब्द पहेली - 8027

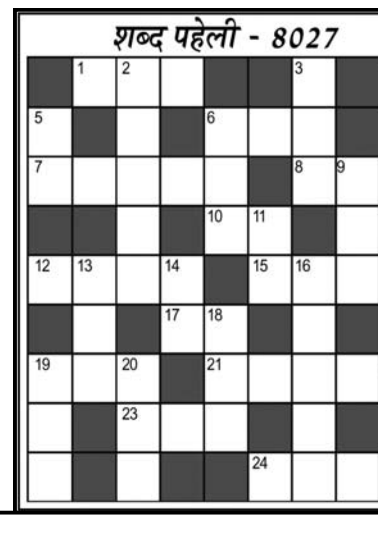

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज,पंकज,नीरज-3
7. चरित्र,धर्म-5
8. वचन,प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन,कहासुनी-4
17. रुपया,पैसा-2
19. भ्रम,संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ,गला-3
4. लाज,लज्जा-3
5. विवाह,ब्याह-2
6. सोना,धतूरा-3
9. टेका,आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा,लाइन-3
14. हत्या,मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर,गृह,निवास-3
22. युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -8026 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल-समाचार

केदार जाधव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

पुणे (ईएमएस)। क्रिकेटर केदार जाधव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। केदार ने अपना अंतिम मैच चार साल पहले खेला और और तभी से वह टीम से बाहर चल रहे थे। केदार ने नवंबर 2014 में रांची में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। वह 39 साल के थे। जाधव ने 73 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। जाधव ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में ही संन्यास की घोषणा की।

जाधव ने सोशल मीडिया में लिखा कि मेरे करियर के दौरान आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया हुआ समझिए। जाधव रविवार को पुणे में शुरू हुई महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में कोल्हापुर टस्कर्स की कप्तानी कर रहे हैं और उनकी पोस्ट से यह स्पष्ट नहीं होता कि वह इस टूर्नामेंट में आगे खेलेंगे या नहीं। जाधव ने 73 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दो शतक और छह अर्धशतक की मदद से 42.09 के औसत से 1389 रन बनाए। उन्होंने नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की छह पारियों में 122 रन भी बनाए।

जाधव ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी जनवरी 2017 में पुणे में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ खेली जब उन्होंने बड़े स्कोर वाले मैच में 76 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों से 120 रन की पारी खेलते हुए अपना दूसरा शतक लगाया और भारत को 3 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। घरेलू क्रिकेट वह महाराष्ट्र की ओर से खेलते थे।

इंडोनेशिया ओपन आज से, खिताब बरकरार रखने उतरेंगे सात्विक और चिराग

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट मंगलवार से यहां शुरु हो रहा है। इसमें भारतीय युगल जोड़ीदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस भारतीय जोड़ी का यहां पहला मुकाबला मलेशिया के मैन वेई चोंग और काई वुन टी से होगा। इसके अलावा इस टूर्नामेंट में महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु भी आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए लय हासिल करना चाहेंगी।

इससे पहले संधु मलेशिया ओपन के फाइनल में पहुंची पर खिताबी मुकाबले में चीन की वांग झी यी के खिलाफ हार गयीं। आन से यंग, चेन यू फी, अकाने यामागुची और कैरोलिना मारिन जैसी शीर्ष खिलाड़ी इंडोनेशिया ओपन में चुनौती पेश करेंगे और ऐसे में सिंधु के लिए जीत आसान नहीं रहेगी। सिंधु अगर पहले दौर में चीनी ताइपे की वेन ची सू को हरा देती है तो फिर उन्हें मारिन का सामना करना पड़ सकता है जिनसे वह पिछले सप्ताह क्वार्टर फाइनल में हार गई थी। वहीं पुरुष एकल में भारत की नजरें एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन पर रहेंगी। लक्ष्य जापान के कांता सुनेयामा के खिलाफ अपने पहला मुकाबला खेलेंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर उनका सामना मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसेन से हो सकता है जिनसे वह पिछले सप्ताह हार गए थे।वहीं प्रणय पहले दौर में अपने ही देश के प्रियांशु राजावत का सामना करेंगे।

विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सामना चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो से जबकि किरण जॉर्ज का चीन के वेंग होंग यांग से होगा। महिला युगल में तनिषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी का पहला मुकाबला कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल लाई की जोड़ी से होगा।

नीलामी हाउस ने माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी की नीलामी स्थगित की

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के 'नीलामी हाउस मैक्सीमिलियन अगुटेस ने कहा है कि अर्जेंटीन के पूर्व कप्तान और महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की विश्व कप 1986 में जीती गई गोल्डन बॉल ट्रॉफी की नीलामी स्थगित कर दी गई है। अगुटेस के अनुसार स्वामित्व विवाद और न्यायिक जांच के कारण ही ये नीलामी स्थगित की गई है। वहीं इससे पहले फ्रांस की एक अदालत ने माराडोना के वारिसों के विरोध के बाद भी इस ट्रॉफी को नीलाम करने को कहा था। माराडोना को विश्व कप 1986 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के अवार्ड के तौर पर गोल्डन बॉल ट्रॉफी इनाम में मिली थी। वहीं इस स्टार खिलाड़ी के परिवार वाले इस नीलामी को रोकने के लिए अदालत पहुंचे थे। नीलामी हाउस अगुटेस ने अपने एक एक बयान में कहा, 'अदालत के फैसले के कारण नीलामी हो सकती थी पर बेचने वाले और खरीदार दोनों के लिए हम यह नीलामी सर्वश्रेष्ठ हालातों में आयोजित करना चाहते हैं। इसलिए इसे स्थगित किया गया है क्योकि मुकदमेबाजी और अनिश्चितता के माहौल में नीलामी संभव नहीं है। इससे तीसरे पक्ष के रूप में हम बेहतर तरीके से अपनी भूमिका नहीं निभा पायेंगे।

अभी नीलामी की नई तारीख तय नहीं की गई है। वहीं फ्रांस के न्यायिक अधिकारियों ने पिछले महीने ही कथित रूप से चोरी किए गये सामान की फिर से बिक्री संबंधित शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की थी जो अदालत के फैसले के बाद भी जारी थी। यह गोल्डन बॉल ट्रॉफी वर्षों तक गायब रही और कुछ साल पहले ही इसका पता चल पाया था। माराडोना के परिजनों का कहना है कि यह ट्रॉफी चोरी हो गई थी और ऐसे में इसका वर्तमान मालिक इसकी नीलामी नहीं कर सकता है।

टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे गेंदबाज बने जेरेमी,पहले नंबरपर हैं ब्रॉड

डलास (ईएमएस)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले मैच में कनाडाई तेज गेंदबाज जेरेमी गॉर्डन की जमकर पिटाई हुई। जेरेकी के एक ही ओवर में 33 रन गये। ये ओवर भी 11 गेंदों में पूरा हुआ। ये टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर रहा है। इसके साथ ही जेरेमी सबसे अधिक रन देने के मामले में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के क्लब में शामिल हो गए। 2007 टी20 विश्वकप में ब्रॉड के एक ही ओवर में भारत के युवराज सिंह ने छह छक्के लगाकर 36 रन बनाये थे।

इस मैच में 14वां ओवर करने जेरेमी आये। उनके ओवर की पहली ही गेंद वाइड रही। इसके बाद पहली ही गेंद पर एंड्रीज गॉस ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद को चौके के लिए बाउंड्री के बाहर भेज दिया। तीसरी गेंद उन्होंने वाइड फेंकी।इसके बाद फिर दो गेंदें लगातार नो बॉल रहीं। तीसरी गेंद पर आरोन जोंस ने छक्का लगा दिया। वहीं अगली गेंद फिर वाइड रही। चौथी गेंद पर जोंस ने एक रन लेकर छोर बदल लिया। पांचवीं गेंद पर गॉस ने छक्का लगा दिया। इसके बाद छठी और आखिरी गेंद पर चौका मारा। इस प्रकार अमेरिकी बल्लेबाजों ने गॉर्डन के 11 गेंद के इस ओवर में कुल 33 रन लिए।

टी20 विश्व कप में एक ओवर में सबसे ज्यादा 36 रन देने का शर्मनाक रिकॉर्ड ब्रॉड के नाम है। वहीं अब जेरेमी 33 रन लुटाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं तीसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इजातुल्लाह दवलतजई हैं जिन्होंने 2012 के टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 32 रन दिये थे।

रोहित आयरलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस बार टी20 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। रोहित विश्वकप में 3 छक्के लगाते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक 600 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके अलावा उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 छक्के लगाने के लिए उन्हें केवल 10 छक्कों की जरुरत है।

भारतीय टीम टी20 विश्वकप में अपना पहला मैच आयरलैंड से 5 जून को खेलेगी। इस मुकाबले में रोहित के पास तीन छक्के लगाते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 छक्के पूरे करने का अवसर है। इस समय उनके नाम 472 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 597 छक्के हैं। रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में पहले नंबर पर हैं। इसके अलावा अगर वह 10 छक्के और लगा देते हैं तो उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 छक्के हो जायंगे। रोहित के नाम अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 151 मैचों में 190 छक्के हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोहित के बाद न्यूजीलैंड के ओपनर मार्टिन गप्टिल दूसरे नंबर पर हैं। गुप्टिल ने 122 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 173 छक्के लगाए हैं जबकि आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग के नाम 142 मैचों में 128 छक्के हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के नाम 106 मैचों में 127 छक्के हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के जड़ने के मामले में रोहित के बाद वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं। गेल ने 483 मैचों में 553 छक्के लगाए हैं जबकि पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के नाम 524 मैचों में 476 छक्के हैं।

श्रीलंका को 77 पर समेटने के बाद 22 गेंद रहते जीता दक्षिण अफ्रीका, छह विकेट से हराया

न्यूयॉर्क : टी20 विश्व कप 2024 का चौथा मुकाबला श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह न्यूयॉर्क में इस में टूर्नामेंट का पहला मैच रहा। यहीं पर टीम इंडिया तीन मैच खेलेगी। इस मैच से ही न्यूयॉर्क में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। दक्षिण अफ्रीका ने जीत के साथ टी20 विश्व कप का आगाज किया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम 77 रन बना पाई थी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को छह विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.1 ओवर में 77 रन पर सिमट गई थी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे ज्यादा रन कुसल मेंडिस ने बनाए। उन्होंने 19 रन बनाए, जबकि एंजलो मैथ्यूज 16 रन बना सके। श्रीलंका के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से चार बल्लेबाज खाता नहीं खोल पाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एनरिक नॉर्त्जे ने चार विकेट लिए। वहीं, कगिसो रबाडा और केशव महाराज को दो-दो विकेट मिले। ओटनील बार्टमैन को एक विकेट मिला।

दो लड़ाकू विमानों की आपात लैंडिंग

टोक्यो,(ईएमएस)। जापान वायु आत्मरक्षा बल के दो एफ-35ए लड़ाकू विमानों की आज सुबह ही आपात लैंडिंग हुई है। जानकारी अनुसार सोमवार की सुबह उत्तरी जापान के आओमोरी हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में एफ-35ए लड़ाकू विमानों को उतार लिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के हवाले से बताया गया है कि 03 जून की सुबह आओमोरी हवाई अड्डे पर दो विमानों की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई और इसी के साथ ही रनवे को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया था, जिसे कुछ देर बाद ही पुनः संचालित कर दिया गया। इस दौरान किसी हादसे या किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

टी20 विश्व कप : नामीबिया ने सुपर ओवर में ओमान को हराया

न्यूयार्क (ईएमएस)। नामीबिया ने यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर ओवर में ओमान को हरा दिया। विश्वकप के इस तीसरे मुकाबले में नामिबिया ने टॉस जीतकर ओमान को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ओमान की टीम 19.4 ओवर में ही 109 रनों पर सिमट गयी। इसके बाद नामीबिया की टीम भी 20 ओवर में 109 रन ही बन पायी। ऐसे में मुकाबला सुपर ओवर में चला गया। इसमें नामीबिया ने बाजी मार ली। सुपर ओवर में नामीबिया की ओर डेविड वीजे और कप्तान गेरहार्ड इरेमस ने आक्रामक बल्लेबाजी कर 21 रन बनाए। ओमान की टीम इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

वहीं इससे पहले नामीबियाई कप्तान गेरहार्ड इरेमस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ओमान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज कश्यप प्रजापति और नसीम खुशी को शुरुआत में ही खो दिया। इसके बाद कप्तान आकिब ल्यास भी पेवेलियन लौट गये। ऐसे में जिसान मकसूद और खलील कैल ने ओमान की पारी को संभाला। जिसान ने 22 जबकि खलील ने 34 रन बनाए।

नामिबिया की ओर से रूबेन ट्रंपेलमैन ने 4 विकेट जबकि डेविड वीजे ने 3 विकेट लिए। बेरनार्ड स्कोल्ज ने 1 जबकि गेरहार्ड इरेसमस ने 2 विकेट खिलाड़ियों को आउट किया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की ओर से निकोलस डेविन और जेन फ्राईलिंक ने अक्ष्छी शुरुआत की पर ये दोनो ही अधिक देर तक नहीं टिक पाये। इनके आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गयी और बमुश्किल ओमान की बराबरी पर पहुंची।

टी20 विश्व कप : बारिश हुई तो सुपर आठ लेवल की शीर्ष टीम करेगी क्वालीफाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहे टी20 विश्व कप में केवल फाइनल के लिए रिजर्व दिन रखा गया है पर दोनो सेमीफाइनल के लिए कोई रिजर्व दिन नहीं है। ऐसे में अगर सेमीफाइनल में बारिश हुई तो सुपर आठ लेवल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेंगी। 27 जून को गुयाना में दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला होगा। वहीं पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में होगा जो रात का मैच है जबकि गुयाना में दूसरा सेमीफाइनल 27 जून को होगा। दूसरा सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार रात 8.30 से शुरू होगा जिसमें मौसम की गाज गिरने पर 250 मिनट का अतिरिक्त समय होगा। पहले सेमीफाइनल को भी इसी तरह अतिरिक्त समय दिया जायेगा जो 26 जून को 60 मिनट और 27 जून को दोपहर दो बजे से 190 मिनट का होगा। फाइनल 29 जून को होगा जिसके लिए 30 जून को रिजर्व दिन होगा।

टी20 विश्व कप में खेलने की शर्तों के अनुसार रिजर्व दिन केवल 29 जून को बारबाडोस में होने वाले फाइनल के लिये रखा गया है।सभी मैचों में प्रत्येक पक्ष के लिए एक पारी होगी, प्रत्येक पारी अधिकतम 20 ओवरों तक सीमित होगी। सभी मैच एक दिन की निर्धारित अवधि के होंगे, बशर्ते कि किसी सीरीज या टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देश रिजर्व डे के लिए सहमत हो सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो अधूरा मैच फिर से खेला जा सकता है या निर्धारित दिन से जारी रखा जा सकता है।

यदि मैच को रिजर्व डे पर जारी रखना है तो मैच को निर्धारित दिन पर पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा और ओवरों में आवश्यक कमी की जाएगी। केवल तभी जब निर्धारित दिन पर मैच के लिए आवश्यक न्यूनतम ओवर नहीं फेंके जा सकें तो मैच को रिजर्व डे पर पूरा किया जाएगा।

नई सरकार के साथ लोगों को तोहफा दे सकता हैं आरबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीएसटी कलेक्शन हो या विकास दर के आंकड़े, हर मोर्चे पर अभी राहत भरे संकेत दिख रहे हैं। इसके बाद कयास लग रहा है कि क्या नई सरकार बनने के बाद रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी आम आदमी को तोहफा देगा। एग्जिट पोल में मोदी सरकार की वापसी के संकेत मिलते ही शेयर बाजार की खुशी से झूम उठा है। दरअसल, 5 जून से आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक शुरू हो रही है और 7 जून को यह कमेटी रेपो रेट पर फैसला करेगी।

रेपो रेट पर सबसे ज्यादा असर महंगाई का पड़ता है। अगर खुदरा महंगाई काबू में है, तब रेपो रेट में कटौती की उम्मीद भी बढ़ जाती है। हालिया आंकड़े इशारा भी कर रहे हैं कि रिजर्व बैंक शायद इस बार लोन धारकों को तोहफा दे सकता है। साल 2024 शुरू होने के साथ ही खुदरा महंगाई का आंकड़ा लगातार नीचे जा रहा है। अप्रैल में खुदरा महंगाई की वृद्धि दर 4.8 फीसदी रही, जो मार्च में 4.85 और जनवरी-फरवरी में 5.1 फीसदी थी। मौजूदा आंकड़ा 10 महीने में खुदरा महंगाई का सबसे कम आंकड़ा है। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई का दायरा 4 से 6 फीसदी के बीच रखा है। इसका मतलब है कि अगर खुदरा महंगाई की दर इसके बीच में रहती है, तब रिजर्व बैंक को ज्यादा चिंता नहीं रहेगी।

खुदरा महंगाई के साथ कोर महंगाई की दर भी लगातार नीचे जा रही है। लिहाजा आने वाले समय में भी खुदरा महंगाई 6 फीसदी से नीचे ही रहेगी। चालू वित्तवर्ष यानी मार्च, 2025 तक खुदरा महंगाई 4.5 फीसदी तक रहने का ही अनुमान है। जुलाई-सितंबर तिमाही में तब खुदरा महंगाई का आंकड़ा 3.8 फीसदी ही रहने का अनुमान है। इसके बाद ज्यादातर एक्सपर्ट का यही मानना है कि आरबीआई इस बार भी रेपो रेट से छेड़छाड़ नहीं करेगा। कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में बदलाव नहीं करने की बात कही है। इसका मतलब हुआ कि आपके लोन पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने वाला है। हालांकि, अक्टूबर की बैठक में आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

सोना लुढ़का, चांदी में गिरावट,-सोना 71,400 हजार, चांदी लगभग 90,900 हजार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। आज दोनों के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 71,400 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,900 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। हालांकि बाद में इनके भाव में गिरावट देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 367 रुपये की गिरावट के साथ 71,467 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत नरम रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 445 रुपये की गिरावट के साथ 91,125 रुपये पर खुला। इस समय यह 686 रुपये की गिरावट के साथ 90,884 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने- चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,348 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,345.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,344.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.62 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.44 डॉलर था। इस समय यह 0.15 डॉलर की गिरावट के साथ 30.29 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआई पायलट्स की जगह नहीं ले सकता: एयरलाइंस अधिकारी

दुबई (ईएमएस)। वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर क्षेत्र में अपनी पकड़ बना रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर एयरलाइंस ने बताया कि भविष्य में यह पायलटों की जगह नहीं लेगा, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में तेजी से बदलाव ला रहे हैं।

एयरलाइंस-केएलएम में डेटा विज्ञान और एआई की एक प्रमुख अधिकारी ने विमानन क्षेत्र के लिए डेटा और एआई को एक शानदार लीवर बताया। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सोमवार को एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से ही कम लाख मार्जिन की आदी है, लेकिन एआई के जरिए इसके उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। अमेरिका स्थित फर्म बेन एंड कंपनी में एयरलाइन उद्योग के एक प्रमुख सलाहकार ने कहा कि एआई वास्तव में सही लोगों तक सही जानकारी जल्द से जल्द पहुंचाने में सहायक है। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए 40 से अधिक परियोजनाओं के साथ एयर फ्रांस-केएलएम ऐसा कर रहा है। फ्रेंच-डच कंपनी की योजनाओं में एक ऐसा टूल है जो ग्राहकों को 85 अलग-अलग भाषाओं में जवाब देता है। इसे एयर फ्रांस एजेंटों के टैबलेट पर इंस्टॉल किया जाएगा और 2025 तक पेरिस चार्ल्स डे गॉल एयरपोर्ट पर लागू कर दिया जाएगा।

किसानों के खातों में 4 जून के बाद आएंगे पैसे!

मुंबई (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के 7 चरण का मतदान पूरा हो चुका है। नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद केंद्र की नई सरकार पीएम किसान योजना के तहत 17वीं किस्त जारी कर सकती है। हालांकि सरकार की तरफ से अभी तक इसके लिए तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। पीएम किसान सम्मान निधि की 16वीं किस्त के 2,000 रुपये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी, 2024 को किसानों के खाते में डाली थी। 16वीं किस्त के रूप में देश के किसानों के खातों में कुल 21 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए थे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को केंद्र सरकार हर साल 6 हजार रुपये देती है। यह राशि 3 किस्तों में दी जाती है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक अकाउंट्स में डाली जाती है। पति या पत्नी में किसी एक को पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दी जाती है।

मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी क्लॉडिया शेनबॉम ये नोबेल प्राइज जीतने वाली कमेटी की मेंबर रहीं

मैक्सिको सिटी(ईएमएस)। मैक्सिको के 200 साल के इतिहास में पहली बार कोई महिला देश की राष्ट्रपति बनने वाली हैं। 2 जून को हुए चुनाव में सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी की क्लॉडिया शेनबॉमद्य को सबसे ज्यादा 58.3 प्रतिशत वोट मिले। दिलचस्प बात ये थी कि उनकी टक्कर में विपक्षी पार्टी की उम्मीदवार भी एक महिला ही थीं। विपक्षी शोचिल गालवेज दक्षिणपंथी नेशनल एक्शन पार्टी से चुनाव लड़ीं।

वे राष्ट्रपति ओब्राडोर की नीतियों की कट्टर विरोधी हैं। शोचिल गालवेज को 28 प्रतिशत वोट ही मिले। मैक्सिको ने पड़ोसी देश अमेरिका से पहले महिला राष्ट्रपति चुनकर इतिहास बनाया है। मैक्सिको में महिलाओं को वोट देने का अधिकार अमेरिका से 33 साल बाद मिला था। अमेरिका में जहां 1920 में ही महिलाओं को वोटिंग राइट्स मिल गए थे। वहीं, मैक्सिको में महिलाओं को वोट देने का अधिकार 1953 में मिला था।

चीन जैसा शक्तिशाली देश पुतिन के हाथों की कठपुतली बन गया : जेलेंस्की

कई देशों पर यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल न होने का दबाव बना रहा चीन

सिंगापुर,(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि चीन अन्य देशों पर यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल नहीं होने का दबाव बना रहा है। जेलेंस्की ने युद्ध को लेकर स्विटजरलैंड द्वारा प्रस्तावित शांति वार्ता को बाधित करने में रूस की मदद करने का चीन पर आरोप लगाया है। सिंगापुर में शांगरी-ला रक्षा मंच से जेलेंस्की ने कहा कि चीन अन्य देशों पर आगामी यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल न होने का दबाव बना रहा है।

उन्होंने कहा कि रूस, इस क्षेत्र में चीनी प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए शांति शिखर सम्मेलन को बाधित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन जैसा शक्तिशाली देश पुतिन के हाथों की कठपुतली बन गया है। इससे पहले एशिया के सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने शीर्ष रक्षा अधिकारियों से आगामी शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया और कहा कि वह कुछ देशों द्वारा इसमें शामिल होने के लिए प्रतिबद्धता जताने में विफल रहने से निराश हैं।

उन्होंने कहा कि हम कई प्रस्तावों और विचारों को सुनने के लिए तैयार हैं, ताकि युद्ध खत्म हो सके और स्थायी समाधान निकाला जा सके। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री से मुलाकात करने की योजना है और वह उनसे स्विट्जरलैंड वार्ता में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने का आग्रह करेंगे।

क्या मंडेला के देश में पहली बार बनेगी गठबंधन सरकार, पहली बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं

केपटाउन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के हालिया चुनाव के परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी), 1994 में देश को रंगभेद से मुक्त कराया था। लेकिन 30 साल बाद पार्टी को बहुमत प्राप्त नहीं हो सका है। इसके बावजूद एएनसी सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। हालाँकि, किसी भी पार्टी को बहुमत हासिल नहीं होने के की वजह से दक्षिण अफ्रीका के राजनीतिक नेता अब सरकार बनाने के लिए गठबंधन वार्ता में लगे हुए हैं। एएनसी के लंबे समय से चले आ रहे प्रभुत्व को देखकर यह देश के लिए एक नया अनुभव है। पिछले सप्ताह के चुनाव के बाद चार प्रमुख राजनीतिक दल हैं और करीब आठ के पास पर्याप्त वोट शेयर हैं, जिससे स्थिति काफी पेंचिदा हो गई है।

कभी नेल्सन मंडेला के शिष्य रहे 71 वर्षीय रामफोसा को एएनसी के इतिहास में सबसे खराब चुनाव परिणाम देखने को मिला है। रामफोसा पर पार्टी के साथ-साथ मतदाताओं का भी दबाव है, लेकिन 2 जून को जब अधिकारी ने उन्हें बुझा हुआ राष्ट्रपति बताया, तब हंसते हुए रामफोसा ने कहा कि मैं अभी तक नहीं बुझा हूं। रामफौसा की चुनौती अपनी पार्टी को उस गठबंधन की ओर ले जाना है जिसे वह एएनसी के भीतर विभिन्न गुटों के बीच सबसे अच्छा मानते हैं। स्पष्ट विकल्प मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक गठबंधन है। किन डीए वर्षों से एएनसी की नीतियों की तीखी आलोचना करता रहा है और ये मेल इतना भी आसान नहीं होगा। भले ही दोनों ने कहा हो कि वे चर्चा के लिए तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने सभी राजनीतिक दलों से अपने मतभेदों को दूर कर देश में राष्ट्रीय गठबंधन की पहली सरकार बनाने के लिए साझा आधार तलाशने का आह्वान किया। दक्षिण अफ्रीका में चुनाव के अंतिम नतीजों की घोषणा की गई, जिसमें यह साफ हो गया कि किसी दल को बहुमत नहीं प्राप्त हुआ है। उसके बाद से ही अफ्रीका की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था के लिए आगे का रास्ता खोजने के लिहाज से गठबंधन बनाने की बातचीत शुरू हो गई। रामाफोसा की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस मतगणना में 50 फीसदी मत के आंकड़े को पार नहीं कर सकी। एएनसी पिछले 30 वर्ष से सत्ता के केंद्र में रही थी और बहुमत प्राप्त करती आ रही थी। एएनसी को पिछले सप्ताह हुई अंतिम मतगणना में करीब 40 फीसदी मत प्राप्त हुए।

48 वर्षीय स्टीनहुइज़न डीए के प्रमुख के रूप में मुख्य विपक्षी नेता हैं और चार मुख्य पार्टियों में एकमात्र श्वेत नेता हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी एमके और ईएफएफ को छोड़कर विभिन्न दलों के साथ बातचीत शुरू कर रही है। डीए ने वहां एक रेखा खींच दी है और कहा है कि वह वैचारिक मतभेदों को लेकर उन दोनों के साथ कभी काम नहीं करेगा। स्टीनहुइसेन के डीए और रामफोसा के एएनसी को एक साथ लाना विश्लेषकों द्वारा व्यापक रूप से सबसे स्थिर गठबंधन विकल्प के रूप में देखा जाता है।

कोई भी ताइवान को चीन से अलग करने की हिमाकत करेगा तो उसकी खैर नहीं

-चीन के रक्षा मंत्री डोंग ने दी धमकी, फिलिपींस-अमेरिका को लेकर चीन गुस्से में

सिंगापुर,(ईएमएस)। चीन के रक्षा मंत्री डोंग जून ने चेतावनी दी कि उनकी सेना ताइवान की स्वतंत्रता को रोकने के लिए तैयार है। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला संवाद में चीनी रक्षा ने कहा कि जो कोई भी ताइवान को चीन से अलग करने की हिमाकत करेगा, उसे टुकड़ों में कुचल दिया जाएगा और उसका विनाश होगा। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका के साथ सैन्य कम्युनिकेशन की अहमियत पर भी जोर दिया। डोंग का यह बयान अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात बाद आया।

डोंग ने कहा कि आदान-प्रदान और सहयोग के लिए रास्ते खुले हैं, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों को एक-दूसरे से मिलना होगा। ज्यादा आदान-प्रदान की जरुरत है क्योंकि हमारी दोनों सेनाओं के बीच मतभेद हैं। ताइवान के पास हाल ही में चीन का बड़ा युद्ध अभ्यास करने के बाद चीन का नया आक्रामक रुख सामने आया है। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने चीनी अधिकारियों के बयान को तर्कहीन बताया और कहा कि वह ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता के लिए पूरी कोशिश करेगा।

दक्षिण चीन सागर पर फिलीपींस के जहाजों के साथ टकराव पर चीन ने कहा कि संयम की सीमा होती है। चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि चीन ने अधिकारों के उल्लंघन और उकसावे के सामने पर्याप्त संयम बनाए रखा है, लेकिन इसकी सीमाएं हैं। हम किसी को भी अपने क्षेत्र में संघर्ष या युद्ध भड़काने की इजाजत नहीं देंगे। चीन फिलिपींस के साथ अमेरिका के गहरे रक्षा संबंधों को लेकर भी गुस्से में है।

डोंग ने कहा कि ताइवान को हथियार बेचने और अवैध आधिकारिक संपर्क रखने के लिए बाहरी हस्तक्षेप की आलोचना की। डोंग का इशारा साफ तौर पर अमेरिका की तरफ था, जो ताइवान के साथ गहरे अनौपचारिक संबंध रखता है। 2022 में अमेरिकी कांग्रेस की हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था, जिस पर चीन भड़क गया था।

लोकसभा सचिवालय ने 18वीं लोकसभा के सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयारी शुरू की

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा सचिवालय ने नवनिर्वाचित सांसदों के पेपरलेस और तकनीक पर आधारित पंजीकरण की तैयारी शुरू कर दी है। संसद में डिजिटल पंजीकरण डेस्क स्थापित किए गए हैं। स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार 5 जून से नवनिर्वाचित सांसदों के पंजीकरण की प्रक्रिया संसद भवन परिसर में शुरू होगी, जो 14 जून तक चलेगी।

लोकसभा सचिवालय की तरफ से जारी एक नोट में कहा, सचिवालय ने 04।06।2024 को दोपहर 2 बजे से पंजीकरण शुरू करने की व्यवस्था की है और यह प्रक्रिया 5 से 14 जून 2024 को सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चालू रहेगी, जिसमें शनिवार और रविवार भी शामिल हैं। इससे पहले, नवनिर्वाचित सदस्यों का पंजीकरण संसद के पुराने भवन (अब संविधान सदन) में होता था। इस बार, सचिवालय ने संसदीय सौध में यह व्यवस्था की है।

लोक सभा सचिवालय के मुताबिक, संसदीय सौध में बैंक्वेट हॉल और प्राइवेट डाइनिंग रूम (पीडीआर) में 10-10 कंप्यूटरों के साथ कुल 20 डिजिटल पंजीकरण काउंटर स्थापित किए गए हैं। यह काउंटर एंड-टू-एंड पंजीकरण प्रक्रिया के लिए स्थापित किए गए हैं।

गुब्बारे उड़ाने को लेकर दक्षिण और उत्तर कोरिया में ठनी.....शांति समझौता निलंबित

सियोल (ईएमएस)। दक्षिण कोरिया ने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने के मामले को लेकर उत्तर कोरिया को दंडित करने के लिए दोनों देशों के बीच हुए शांति समझौते को निलंबित कर दिया।

हालांकि उत्तर कोरिया गुब्बारे उड़ाने की अपनी हरकत पर लगाम लगाने को कह चुका है। लोगों द्वारा दक्षिण कोरिया में हाल ही में पर्चे बांटने के अभियान से नाराज उत्तर कोरिया ने बीते कई दिनों में पड़ोसी देश की ओर कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाए थे। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उ. कोरिया की इस हरकत के जवाब में वह कड़ा कदम उठाएगा। सोमवार को, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि परिषद ने वर्ष 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने का फैसला किया है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास बहाल होने तक सीमावर्ती शत्रुता को कम करना था। सुरक्षा परिषद ने कहा कि समझौते के निलंबन से दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया की सीमा के पास सैन्य अभ्यास फिर से शुरू करने और पड़ोसी मुल्क के उकसावे पर प्रभावी एवं तत्काल प्रतिक्रिया करने की अनुमति मिलेगी।

परिषद के मुताबिक, समझौते के निलंबन पर एक प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट परिषद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

लो ड्रैगन ने भी मान लिया,आएगा तो मोदी,पाकिस्तान सरकार में बढ़ी चिंता

बीजिंग (ईएमएस)। भारत में चुनाव खत्म हो गए लेकिन चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर लगी हुई है। अमेरिका, रूस, चीन सभी देश नतीजों का इंतजार कर रहे हैं।

इतना ही नहीं जिस चीन ने साल 2014 में मोदी का मजाक उड़ाया था, वहां चीन कह रहा है कि पीएम मोदी ही फिर से भारत की सत्ता संभालने वाले हैं। पाकिस्तान में जहां एक ओर घबराहट है, वहीं चीन के सुर भी अब बदले नजर आ रहे हैं। मोदी के हैट्रिक के अनुमान पर चीन ने अपनी प्रतिक्रिया देकर दोस्ती की बातें कही है। एग्जिट पोल के नतीजों पर चीन के सरकारी मीडिया ने एक लेख लिखा है।

एग्जिट पोल से पता चलता है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय में लगातार तीसरी बार जीतने की संभावना है, चीनी विशेषज्ञों ने कहा कि मोदी की समग्र घरेलू और विदेशी नीतियों में निरंतरता बनी रहेगी। उनसे देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों में बने रहने की उम्मीद है। विश्लेषकों ने द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर विकास की राह पर वापस लाने के लिए मतभेदों को दूर करने के लिए खुले संचार को बनाए रखने के लिए चीन के साथ सहयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

हालाँकि कई रिपोर्ट में आगाह किया कि एग्जिट पोल हमेशा सटीक नहीं होते। लेकिन समाचार ने कहा कि 73 वर्षीय मोदी और उनकी पार्टी, भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद है। अनुसंधान निदेशक कियान फेंग ने कहा कि मोदी भारत के लिए निर्धारित घरेलू और विदेश नीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जिसमें देश को कुछ वर्षों के भीतर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

चीन के बड़े थिंक टैंक सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार चीन इस बात को लेकर टेंशन में है कि अब मोदी राज में भारत दक्षिण चीन सागर के देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा। चीन को इस बात की भी टेंशन है कि भारत के इस कदम से चीन को रणनीतिक हितों का भी नुकसान होगा।

यूएनएससी का अस्थायी मेंबर बनने के करीब पाकिस्तान....भारत के रुख पर नजर

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अस्थायी मेंबर बनना करीब तय है। पाकिस्तान को 2025-2026 की अवधि के लिए चुना जाएगा। पाकिस्तान की सदस्यता का ऐलान 06 जून को हो सकता है। पाकिस्तान अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित निर्वाचित होता है, तब यह उसका यूएनएससी में 8वां कार्यकाल होगा। पाकिस्तान करीब एक दशक बाद यूएनएससी में वापसी करेगा। पाकिस्तान आखिरी बार 2013 में यूएनएससी में अस्थानी सदस्य के तौर पर शामिल था। पाकिस्तान के आने से भारत की भी चिंता बढ़ सकती है। क्योंकि चीन यूएनएससी का स्थायी सदस्य है। इसके बाद चीन और पाकिस्तान भारत के खिलाफ मोर्चेबंदी कर सकते हैं।

पाकिस्तान और भारत दोनों संयुक्त राष्ट्र के भीतर एशिया-प्रशांत समूह के सदस्य हैं, जिनकी सुरक्षा परिषद में दो सीटें हैं। समूह में 50 से अधिक सदस्य हैं जो परिषद की सदस्यता के लिए घूर्णी पद्धति का पालन करते हैं। इसका मतलब यह है कि भारत और पाकिस्तान भी समूह के उम्मीदवार के रूप में एक-दूसरे को वोट देते हैं। इसकारण 2019 में पाकिस्तान ने भारत का समर्थन किया और इस साल भारत के पाकिस्तान का समर्थन करने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने इस साल की शुरुआत में ही दो साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गैर-स्थायी सीट हासिल करने के लिए कवायद शुरू कर दी थी। मार्च में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत मुनीर अकरम ने इसके लिए अपनी उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा की थी। पाकिस्तान ने अपनी उम्मीदवारी का ऐलान करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की मांगते हुए कहा था कि उसकी ओर से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए यूएनएससी के उद्देश्य में सार्थक योगदान दिया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 5 स्थायी और 15 अस्थायी सदस्य होते हैं। अस्थायी सदस्यों का चुनाव दो वर्ष के लिए होता है। अस्थायी सदस्य देशों को चुनने का उद्देश्य सुरक्षा परिषद में क्षेत्रीय संतुलन कायम करना है। इसमें पांच सदस्य एशियाई या अफ्रीकी देशों से, दो दक्षिण अमेरिकी देशों से, एक पूर्वी यूरोप से और दो पश्चिमी यूरोप या अन्य क्षेत्रों से चुने जाते हैं। अफ्रीका और एशिया महाद्वीप के लिये निर्धारित पांच सीटों में से तीन सीट अफ्रीका के लिये और दो सीट एशिया के लिये रखी गई हैं। मूल रूप से सुरक्षा परिषद में 11 सदस्य थे, इस साल 1965 में बढ़ाकर 15 कर दिया गया।

श्रीलंका में भारी बारिश से आई बाढ़,10 लोगों की मौत

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की वजह से सोमवार को स्कूल बंद कर दिए गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ और बारिश संबंधी अन्य घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग लापता हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को दोबारा खोलने को लेकर फैसला मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा। देश में रविवार से हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई स्थानों पर भारी तबाही हुई है, जिसके चलते घरों, खेतों और सड़कों पर पानी भर गया है और अधिकारियों को ऐहतियात के तौर पर बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी है। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार राजधानी कोलंबो और सुदूर रतनपुरा जिले में छह लोगों की बहने और डूबने से मौत हो गई जबकि पहाड़ों से मिट्टी कट कर मकानों पर गिरने से तीन अन्य लोगों की जान चली गई। पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई। रविवार से छह लोग लापता हैं। आपदा केंद्र ने कहा कि सोमवार तक 5,000 से अधिक लोगों को बचाव केंद्र ले जाया गया है और 400 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। पीड़ितों को बचाने और भोजन व अन्य जरूरी सामान पहुंचाने के लिए नौसेना और थलसेना के जवानों को तैनात किया गया है। श्रीलंका में मई के मध्य में भारी मानसूनी बारिश होने के बाद से मौसम प्रतिकूल है। इससे पहले कई इलाकों में तेज हवाओं के चलते पेड़ उखड़ गए, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई।

जहां उतरा भारत का चंद्रयान-3, वहीं पहुंच गया चीन

बीजिंग (ईएमएस)। चांद पर जहां भारत के चंद्रयान-3 ने झंडे गाड़े थे, अब वहां चीन भी पहुंच गया है। चीन का मून अंतरिक्ष यान चंद्रमा के एक सुदूर हिस्से में उतर गया। चीन का यह 'चंद्रयान' मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्रित करने के लिए भेजा गया है। यह चीन का अपनी तरह का पहला प्रयास है।

चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, चांग'ए-6 मानव इतिहास में पहली बार दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में बीजिंग के स्थानीय समयानुसार, सुबह छह बजकर 23 मिनट पर उतरा। चांग'ए-6 में एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक है। इस मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है।

यह चीन का पहला प्रयास

मीडिया के मुताबिक सबसे जटिल प्रयास में से एक चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए बाधाओं का पता लगाने के लिए एक स्वायत्त दृश्य बाधा निवारण प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। एक लाइट कैमरा ने चंद्रमा की सतह पर उजाले और अंधेरे के आधार पर अपेक्षाकृत सुरक्षित उतरने के लिए एक स्थान का चयन किया। चांग'ए-6 मिशन को चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने एकत्रित करके लौटने का जिम्मा दिया गया है जो अपने आप में पहला प्रयास है।

भारत का एक और पड़ोसी चीन की गोद में बैठने को दिख रहा तैयार, दिल्ली के लिए चिंता का विषय

ढाका (ईएमएस)। भारत के लिए बांग्लादेश एक भरोसेमंद पड़ोसी देश रहा है। बांग्लादेश हमेशा से भारत को अपना अच्छा दोस्त कहता रहा है लेकिन इन दोनों दोस्तों में एक तीसरे देश चीन की एंट्री हो गई है, जिसने तेजी से बांग्लादेश में खुद को मजबूत किया है। चीन बांग्लादेश को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रहा है और उसकी कोशिशों का असर भी दिख रहा है। पाकिस्तान में चीन का प्रभाव जगजाहिर है ही, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे दूसरे पड़ोसी देशों में भी उसने हालिया सालों में खुद को तेजी से स्थापित किया है। बांग्लादेश की बात की जाए तब एक पनडुब्बी बेस, 5 अरब डॉलर की सहायता, भारत के सिलीगुड़ी गलियारे के करीब बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, हथियार और ढाका के साथ सैन्य अभ्यास कर चीन ने भारत को साफ संकेत दे दिया है कि वह क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने पर काम कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश खासतौर से बीते कुछ सालों में चीन की ओर चला गया है। इसमें सिलीगुड़ी कॉरिडोर की बात की जाए तब इसकी तैयारी चीन ने काफी पहले शुरू कर दी थी। चीन ने तत्कालीन बांग्लादेश के राष्ट्रपति जनरल इरशाद को 1987 में बीजिंग में बयान देने के लिए मजबूर किया कि वह समदुरोंग चू घटना की पृष्ठभूमि में भारतीय सेना को बांग्लादेशी क्षेत्र के माध्यम से उत्तर-पूर्व भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं देगा। इसके बाद दिसंबर 2002 में चीन ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के साथ एक रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए और बांग्लादेश को 5 बिलियन डॉलर से अधिक के हथियार बेचे। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बहुत करीब तीस्ता नदी में चीन 1 अरब डॉलर की ड्रेजिंग परियोजना के साथ बढ़ रहा है। ये नदी नेपाल और बांग्लादेश को अलग करती है और शेष भारत को इसके उत्तर-पूर्व से महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करता है। भारत के साथ 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद चीन ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर से जम्फेरी रिज तक सड़क बनाई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 20 साल पहले के 1.2 अरब डॉलर से बढ़कर पिछले साल 22 अरब डॉलर हो गया, जिससे भारत को पीछे छोड़ते हुए चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया। चीन के साथ बांग्लादेश का व्यापार घाटा लगभग 21 अरब डॉलर है, ये और बढ़ रहा है। बांग्लादेशी वस्तुओं-कपड़ा, जूट और अन्य उत्पादों के लिए अपने बाजार को खोलने की ढाका की अपील को भी चीन ने अनसुना कर दिया है। बांग्लादेश में चीन की एक और अहम चीनी परियोजना कॉक्स बाजार के पेकुआ में बीएनएस शेख हसीना पनडुब्बी बेस है, जिसका उद्घाटन मार्च में चीन से 1.21 बिलियन डॉलर की फंडिंग के साथ किया गया था। इसमें छह पनडुब्बियों और आठ युद्धपोतों को रखा जा सकता है। इससे पहले 2016 में ही बांग्लादेश ने चीन से 205 मिलियन डॉलर में दो मिंग-श्रेणी की पनडुब्बियां और आठ युद्धपोत खरीदे थे।

अमूल दूध की कीमत बढ़ने से बिगड़ेगा गृहणियों का बजट, जीएसटी हटाकर राहत दे सरकार : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद भाजपा की महंगाई नीति शुरू हो गई है। दूध के दाम बढ़ने से आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ी है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स बढ़ने से जरूरी वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। चुनाव खत्म होते ही भाजपा सरकार ने अपनी असलीयत जाहिर कर दी है। पाठय पुस्तकों सहित शैक्षणिक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ गई हैं। जीसीएमएमएफ ने अमूल दूध में दो से तीन रुपये की बढ़ोतरी की है। आसमान छूती महंगाई के बीच आम और मध्यम वर्ग के लिए दूध, दही की कीमत में बढ़ोतरी जले पर नमक छिड़कने के बराबर है। जीएसटी ने खाद्यान्न, दालें, मूंगफली तेल, सब्जियां, दूध, दही, पनीर, छाछ और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के कारण आम और मध्यम वर्ग के लिए जीवन कठिन बना दिया है। महंगाई के कारण देश व प्रदेश में आत्महत्या की दर काफी बढ़ गयी है। सफेद दूध में चल रहे काले कारोबार और मुनाफे की बढ़ते दूषण को रोकने में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। हर साल अमूल दूध की कीमत में दो से तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जाती है। आखिरी बार बढ़ोतरी 14 महीने पहले दो रुपये की हुई थी। चूंकि अमूल दूध की कीमत कभी कम नहीं होती, इसलिए आने वाले दिनों में अमूल दूध पेट्रोल-डीजल की कीमतों के बराबर हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। अगर सरकार की नीयत अच्छी है तो दूध-दही पर जीएसटी हटाकर जनता को सस्ते में दूध-दही मुहैया करा सकती है। मनीष दोशी ने कहा कि अहमदाबाद से वडोदरा जाने के लिए अब रु. 135 चुकाने होंगे। इसी प्रकार अहमदाबाद से आनंद के लिए 85 और नडियाद के लिए 65 रुपए देने होंगे। अहमदाबाद से नडियाद के बीच वाणिज्यिक वाहनों के लिए 105, बस और ट्रक के लिए 220, अहमदाबाद से आनंद के लिए हल्के वाहनों के लिए 140 और वडोदरा के लिए ट्रक के लिए 290, हल्के वाहनों के लिए 220 और ट्रकों के 465 रुपए देने होंगे। वासद टोल नई दरों के मुताबिक कारों के लिए 150, हल्के वाहनों के लिए 230, बसों और ट्रकों की 475, खेड़ा टोल पर कारों के लिए 105 हल्के परिवहन वाहनों के लिए 165 देना होगा। साबरकांठा के प्रांतिज टोल प्लाजा पर मूल्य वृद्धि लागू की गई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि महंगाई के कारण आम आदमी के लिए जीवन जीना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इससे बड़ा कोई विश्वासघात नहीं हो सकता। भाजपा को हटाएंगे तभी महंगाई से राहत मिलेगी।

भाजपा के निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवार का मामला पहुंचा गुजरात हाईकोर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में लोकसभा चुनाव की कल यानी 4 जून को मतगणना होनी है और उससे पहले सूरत से भाजपा के निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवार का मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है। सूरत संसदीय क्षेत्र के तीन वोटरों ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभाणी का नामांकन खारिज करने के फैसले को चुनौती दी है। दरअसल सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया था। मुकेश दलाल के निर्विरोध होने के बाद गुजरात की 26 में से 25 सीटों पर 7 मई को वोटिंग हुई थी। मंगलवार को लोकसभा चुनाव की मतगणना होनेवाली है और उससे पहले सूरत संसदीय क्षेत्र के तीन मतदाताओं ने गुजरात हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दाखिल कर कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभाणी के नामांकन रद्द करने के फैसले को चुनौती दी है। हाईकोर्ट में यह याचिका जन प्रतिनिधित्व धारा के प्रावधान के तहत दाखिल की गई है। आगामी दिनों में हाईकोर्ट इस पर सुनवाई करेगी। बता दें कि इससे पहले भी गुजरात हाईकोर्ट में एक याचिकाकर्ता ने भाजपा उम्मीदवार को निर्विरोध विजेता घोषित करने के फैसले पर आपत्ति जताई थी। उस वक्त हाईकोर्ट ने निर्विरोध विजेता उम्मीदवार निर्वाचित उम्मीदवार के समान बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया था।

गुजरात में 25 मतगणना केन्द्रों पर सभी तैयारियां पूर्ण, त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में कल लोकसभा चुनाव में पड़े वोटों की गिनती होगी। 7 चरणों में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आएंगे। गुजरात में 25 मतगणना केन्द्रों पर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राज्य के सभी मतगणना केन्द्रों पर तीन स्तरीय सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। मतगणना केन्द्रों पर केवल भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त अधिकारी, निरीक्षक, सेवा पर नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी, उम्मीदवार और उनके एजंट तथा काउंटिंग एजंट प्रवेश कर सकेंगे। इसके अलावा निर्वाचन आयोग द्वारा जिन मीडियाकर्मियों को अधिकार पत्र दिया गया है, वही प्रवेश कर सकेंगे। मतगणना प्रक्रिया के 56 मतगणना पर्यवेक्षक, 30 निर्वाचन अधिकारी और 175 सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त रहेंगे। इसके अलावा 615 अतिरिक्त सहायक चुनाव अधिकारियों को पोस्टल बैलेट और ईटीपीबीएस की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य के सभी शहरों में मतगणना को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट जैसे शहरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। मतगणना केन्द्र में बनाए गए मीडिया सेंटर और पब्लिक कम्यूनिकेशन रूप छोड़ मतगणना केन्द्र परिसर में कहीं भी मोबाइल का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। राज्य के सभी 25 मतगणना केन्द्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मतगणना केन्द्र परिसर के बाहर स्थानीय पुलिस, मतगणना परिसर में एसआरपी और मतगगणना केन्द्र के द्वार और स्ट्रोंग रूम के बाहर सीआरपीएफ को तैनात किया गया है। मतगणना में सेवा पर तैनात अधिकारी, कर्मचारी, उम्मीदवार और उसके चुनाव एजंट तथा काउंटिंग एजंट के अलावा और किसी को भी मतगणना केन्द्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

हसमुख भाई पटेल की कड़ी परीक्षा, कांग्रेस प्रत्याशी से सीधा मुकाबला; क्या दिखा पाएंगे करिश्मा?

अहमदाबाद,०३ जून

लोकसभा चुनाव के सभी चरणों का मतदान हो चुका है। वोटों की गिनती 4जून को होगी। गुजरात की प्रमुख लोकसभा सीट अहमदाबाद पूर्व से बीजेपी ने इस बार मौजूदा सांसद हसमुख भाई पटेल को उम्मीदवार बनाया है। उनके खिलाफ कांग्रेस ने व्यवसायी हिम्मत सिंह पटेल पर भरोसा जताया है। दोनों के भाग्य का फैसला मंगलवार को होगा।

गुजरात की अहमदाबाद पूर्व लोकसभा सीट की गिनती महत्वपूर्ण सीटों में होती है। अहमदाबाद पूर्व से मौजूदा सांसद हसमुख भाई सोमाभाई पटेल हैं। इस बार कांग्रेस और बीजेपी के बीच जोरदार टक्कर है। पीएम मोदी के गृह राज्य की यह सीट कई मायने में खास महत्व रखती है।

बीजेपी ने अहमदाबाद पूर्व लोकसभा सीट से हसमुख भाई पटेल को फिर से मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने व्यवसायी हिम्मत सिंह पटेल को टिकट दिया है। अहमदाबाद पूर्व लोकसभा सीट पर इस बार तीसरे चरण यानी 07 मई को मतदान हुआ था। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार हसमुख भाई पटेल ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी गीताबेन को हराया था। इस लोकसभा सीट पर कुल 18,11,851 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता की संख्या 9,56,013 और महिला मतदाता की संख्या 8,55,771 है।

मैन ऑफ प्लेटिनम: क्रिकेट के दिन आपके स्टाईल के लिए आपकी मार्गदर्शिका

क्रिकेट का नया सीज़न लेकन आ रहा है, नया जोश और जुनून! इस अवसर पर अपनी पसंदीदा टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए अपना लुक लेटेस्ट मेन ऑफ प्लेटिनम कलेक्शन से स्टेटमेंट पीसेज़ द्वारा आकर्षक बनाएं। दुनिया का सबसे बहुमूल्य और दुर्लभ मैटल, प्लेटिनम पूरे विश्व में कुछ ही स्थानों पर पाया जाता है, जिसके कारण यह एक एक्सक्लुसिव विकल्प है। अपनी चमक और टिकाऊ होने के साथ यह हाई-एनर्जी स्टाईल के लिए परफेक्ट है।

स्टैंड में खड़े होकर टीम का उत्साह बढ़ाना हो या फिर दोस्तों के साथ मिलकर मैच देखना हो, या अपने नजदीकी स्पोर्ट्स बार में जाकर मैच की स्क्रीनिंग देखनी हो, प्लेटिनम ज्वेलरी हर अवसर पर आपके परिधान को ज्यादा उच्च और आकर्षक बना देती है। प्लेटिनम ज्वेलरी में स्लीक चेन से लेकर बोल्ड रिस्टवियर और स्टेटमेंट रिंग्स शामिल हैं, जो आपके लुक को आधुनिक शान-ओ-शौकत और सादगी प्रदान करते हैं।

मैन ऑफ प्लेटिनम का लेटेस्ट कलेक्शन नेकवियर, रिस्टवियर, और रिंग्स के विस्तृत विकल्प प्रदान करता है, जो मेंस ज्वेलरी के ग्लोबल ट्रेंड्स से प्रेरित है। 95 प्रतिशत शुद्ध प्लेटिनम से बना इस ज्वेलरी का हर डिज़ाईन विभिन्न आउटफिट्स के साथ अनेक तरीकों से पहना जा सकता है। प्लेटिनम के मौलिक गुणों के अनुरूप इस कलेक्शन में जटिल विस्तार, कटाव और अलंकरण के साथ बनी क्लीन और बोल्ड लाईंस तथा विशिष्ट प्रतीक, ठोस रूप में क्रेस्ट, और एयरोडायनामिक एलिमेंट्स हैं।

भाजपा का गुजरात में क्लीन स्वीप का दावा, कांग्रेस को 4 सीटों पर जीत की उम्मीद

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने में चंद घंटों का समय शेष रह गया है और उससे पहले ज्यादातर एग्जिट पोल ने देश में तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना व्यक्त की है। एग्जिट पोल से भाजपा गदगद है, वहीं कांग्रेस को उम्मीद है कि केन्द्र में अगली सरकार इंडिया गठबंधन बनाएगा। गुजरात भाजपा ने राज्य में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप का दावा किया है। वहीं कांग्रेस को उम्मीद है कि राज्य में वह कम से कम 4 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और 12 सीटों पर भाजपा को कड़ी टक्कर देगी। गुजरात भाजपा के नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्य की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी। भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि क्षत्रिय आंदोलन का चुनाव नतीजों पर कोई असर नहीं होगा। वहीं गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने राज्य में चार सीटों पर जीत का दावा करते हुए कहा कि इस बार गुजरात की जनता भाजपा को अपनी ताकत दिखाएगी। गोहिल ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस 12 सीटों पर कड़ी टक्कर देगी। इससे पहले गुजरात कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर ने दावा किया था कि भाजपा के विजय रथ पर कांग्रेस ब्रेक लगाएगी। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी (आप) नेता इसूदान गढवी ने कहा कि चुनाव में इंडिया गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया है। गुजरात में कांग्रेस-आप का गठबंधन भरुच और सुरेन्द्रनगर सीटें जीत रहा है। गौरतलब है कि 1 जून को सामने आए एग्जिट पोल के नतीजे भाजपा के पक्ष में बताए गए हैं। कल यानी 4 जून को नतीजे सामने आ जाएंगे। अगर एग्जिट पोल का अनुमान सही साबित होता है तो मोदी सरकार जीत की हैट्रिक लगाएगी। हांलाकि कांग्रेस को अपनी जीत की उम्मीद है।

अमूल के बाद अब बरोडा डेयरी द्वारा दूध की कीमतें बढ़ाए जाने की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से एक दिन पहले अमूल दूध की कीमतों में प्रति लीटर 2 रुपए बढ़ा दिया गया है और नई दरें आज से प्रभावी हो गई हैं। गुजरात कॉऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने रविवार को इसकी घोषणा की थी। अब खबर है कि बरोडा डेयरी भी दूध की कीमतों में इजाफा कर सकती है। जिसे लेकर आज बरोडा डेयरी बोर्ड की आज बैठक होनी है। बता दें कि जीसीएमएमएफ ने रविवार को प्रति लीटर दूध की कीमत में 2 रुपए के इजाफे का ऐलान किया गया था। अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति, अमूल टी स्पेशल और अमूल ताजा दूध सोमवार से दो रुपए महंगा हो गया है। सोमवार से अमूल गोल्ड 500 मिली की कीमत 32 रुपए के बजाए 33 हो गई है। इसी प्रकार अमूल टी स्पेशल प्रति लीटर 62 रुपए से 64, अमूल शक्ति 500 मिली की कीमत 30 से बढ़कर 31 रुपए हो गए हैं। अमूल के बाद अब बरोडा डेयरी द्वारा भी दूध की कीमतें बढ़ाए जाने की संभावना है। जानकारी है कि बरोडा डेयरी बोर्ड की आज बैठक होगी और उस बैठक में दूध की कीमतों को लेकर चर्चा की जाएगी। बरोडा डेयरी भी प्रति लीटर दूध की कीमतों में 2 रुपए का इजाफा कर सकती है।

नॉर्थ से २५ किमी दूर मैनलैंड फॉल्ट में हर २००० साल में भूकंप का इतिहास मिला

अहमदाबाद, ०३ जून।

आईआईटी कानपुर, अहमदाबाद की एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज और इटली की पलेर्मो यूनिवर्सिटी की ८ साल की संयुक्त रिसर्च में पता चला है कि भुज शहर की उत्तर दिशा में करीब २५ किमी दूर गुजरने वाली मैनलैंड फॉल्ट एक्टिव है। भूकंप के प्रागैतिहासिक अध्ययन में यहां हर २००० साल में भूकंप के सबूत मिले हैं और यहां वर्षों से ऊर्जा इकट्?ठा हो रही है। भविष्य में कोई बड़ा भूकंप आए तो यह क्षेत्र उसका संभावित केंद्र हो सकता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि कच्छ में होने वाले निर्माण के लिए भूकंप की गाइडलाइन का सख्ती से पालन होना चाहिए। गैस पाइपलाइन डालनी हो या कोई बड़ी केमिकल इंडस्ट्री लगानी हो तो पहले जमीन का गहन अध्ययन और पड़ताल जरूरी है। यह स्टडी २१ मई को ही नेचर जर्नल में प्रकाशित हुई है। गौरतलब है कि भूकंप की दृष्टि से जोन-५ के कच्छ में विभिन्न फाल्ट लाइन में २०० सालों में ७२ भूकंप आए हैं। यह स्टडी इसके लिए अलर्ट है कि २००१ में आए विनाशकारी भूकंप को भूलकर जो लापरवाही से निर्माण हो रहे हैं, उन पर लगाम जरूरी है।

जहां १० वर्षों में भूकंप आया हो और भविष्य में भी आने की आशंका हो, ऐसे फॉल्ट को जियोलॉजिकल परिभाषा में एक्टिव फॉल्ट कहते हैं। यह पृथ्वी की सतह के नीचे चट्टानों में भू-दोष है। भुज के मैनलैंड फॉल्ट में यह स्टडी हुई। १८१९ में इस फॉल्टलाइन के पास ही विनाशकारी भूकंप आया था और चंद सेकंड में कच्छ और सिंध प्रदेश का नक्शा बदल दिया था। उस समय भूकंप की तीव्रता मापने की टेक्नोलॉजी नहीं थी, जिससे यह स्टडी जरूरी थी।

कच्छ में एक्टिव फॉल्टलाइन की जांच और पेलियोसिस्मोलॉजिकल जैसे दो संशोधन हुए। पेलियोसिस्मोलॉजी प्रागैतिहासिक भूकंपों का अध्ययन है। पहले चरण में रिमोट सेंसिंग टेक्टोनिक भू-आकृति पहचानी जाती है। दूसरे चरण में फील्ड स्टडी में चयनित स्थानों पर ट्रेंच खोदकर कार्बन डेटिंग के नमूने लेकर भूकंपीय घटनाओं की पहचान की जाती है। कच्छ में ४ ट्रेंच खोदी गई थीं। मुख्य ट्रेंच ६ मीटर लंबी २.५ मीटर गहरी और ३ मीटर चौड़ी थी।

इस जांच में तीन भूकंपीय घटनाएं मिलीं। पहली ९.७२ हज़ार वर्ष पूर्व, दूसरी ८.६३-८.२० हज़ार और तीसरी ६.२०-६.०९ हज़ार वर्ष के बीच हुई। दूसरे नंबर की घटना में भूकंप की तीव्रता ५.८ से ६.४ मैग्नीटयूड और तीसरी यह ६.०–६.४ के बीच थी। इस स्टडी से निष्कर्ष निकाला है कि कच्छ की मैनलैंड फॉल्ट में भूकंप पुनरावृत्ति का अंतराल लगभग २००० वर्ष है। स्टडी के दौरान ट्रेंच में जो भूकंप के प्रमाण मिले हैं वे बहुत सटीक हैं। इनको टेस्टबुक एग्जांपल कहा जा सकता है। इस तरह के सटीक एविडेंस मिलना दुर्लभ होता है। यह साइट भविष्य में भी भूकंप संशोधन के लिए बहुत उपयोगी होगी।

कच्छ क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन कार्य के लिए निर्धारित मानकों का सटीक पालन होना चाहिए, इसके अलावा जहां- जहां एक्टिव फॉल्ट की पहचान की गई है, उसके आस-पास के क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन के लिए विशेष तकनीक का उपयोग होना चाहिए। ऑयल-गैस पाइपलाइन या हैवी केमिकल इंडस्ट्री जैसे कंस्ट्रक्शन के लिए विशेष रूप से जांच-पड़ताल होनी चाहिए।

महीसागर नदी में चार युवक डूबे, तीन की मौत

खेडा (ईएमएस) गलतेश्वर स्थित महीसागर नदी में चार युवक डूब गए। जिसमें 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक को स्थानीय तैराकों ने बचा लिया। तीन युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद से नौ युवक गर्मी में नहाने के लिए खेडा जिले के गलतेश्वर आए थे। अहमदाबाद के युवक गलतेश्वर की महीसागर नदी में नहाने गए थे। जहां 4 युवक डूबने लगे। इस हादसे में 3 युवकों की नदी में डूबने से मौत हो गई। जबकि एक युवक को स्थानीय तैराकों ने बचा लिया। तीन लोगों के शव तैराकों ने बाहर निकाल लिए गए हैं। दोनों मृतकों की पहचान अहमदाबाद के सुनील कुशवाह और हितेश चावड़ा के रूप में हुई है। जबकि तीसरे शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटना की जानकारी लगने के बाद सेवालिया पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सेवालिया सरकारी अस्पताल लाया गया है।

वड़ोदरा डिवीज़न के 32 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

वडोदरा,०३ जून।

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने मंडल के 32 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को डयूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति ने बताया कि श्री अलपेश रामा, खलासी, श्री महेन्द्र फतेसिंह, ट्रैकमेन-छ्छ, श्री बबलू कुमार, ट्रैकमेन-छ्ङ, श्री दिलीप कुमार, ट्रैकमेन- छ्ङ, श्री संजय कुमार मिठाईलाल, वरिष्ठ तकनीशियन, श्री कांतिलाल विठ्ठल साबले, एम.सी.एफ. ब्लेकस्मिथ, श्री संजीत कुमार, गेटकीपर, श्री बलराम प्रसाद गुप्ता, एस.एस.ई./कैवै/, श्री जयकरन कुमार, एस.एस.ई./कैवै, श्री योगेश चंद्र शर्मा, स्टेशन मास्टर, श्री अजय शर्मा, स्टेशन मास्टर, श्री मनोज झा, स्टेशन अधीक्षक, श्री धनंजय प्रसाद, स्टेशन अधीक्षक, श्री संजीव कुमार यादव, ट्रेन मेनेजर (मालगाड़ी), श्री निरंजन श्रीवास्तव, यातायात निरीक्षक, श्री बीनय कुमार झा, स्टेशन अधीक्षक, श्री अफ़जल अली सैयद, शंटिंग मास्टर, श्री धीरु एम. वाघेला, पॉइंटसमेन, श्री किरीट बी., पॉइंटसमेन, श्री जीतेन्द्र कुमार, स्टेशन मास्टर, श्री नरेन्द्र सिंघल, पॉइंटसमेन, श्री किरण कुमार, सहायक (टीआरडी), श्री जय सिंह मीना, एस.आई.पी.एफ, श्री हितेश गौतम, ए.एस.आई., श्री जगदीश भाभोर, हेड कांस्टेबल, श्री पंकज चौधरी, कांस्टेबल, श्री रामहेत मीना, सीनियर तकनीशियन, श्री मुकेश कुमार मीना, लोको पायलट (मालगाड़ी), श्री एस. सी. प्रजापति, मुख्य लोको निरीक्षक, श्री गोविंद एच., लोको पायलट (शंटर), श्री रणजीत सिंह, लोको पायलट (मालगाड़ी), श्री सत्य प्रकाश गुप्ता, सहायक लोको पायलट; को योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान एवं मेडल कर सम्मानित किया। सभी सम्मानित कर्मचारियों ने रेल संरक्षा में त्रुटि पाई जाने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करके अप्रत्याशित घटना और संभावित क्षति से बचाया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने इन सजग सरंक्षा रेल प्रहरी की हौसला अफजाई की। श्री सिंह ने कहा कि यात्रियों की सरंक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है एवं जब रेलकर्मी अपनी डयूटी के दौरान सजगता और सतर्कता से काम करते हैं तो हमें सेफ ट्रेन वर्किंग में मदद मिलती है। हमें इन रेल कर्मियों पर गर्व है।

गर्मी से राहत देनेवाली खबर, गुजरात में 15 जून के आसपास दे सकता है मानसून दस्तक

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में मई का महीना बेहद गर्म रहा और तापमान 45 डिग्री को पार कर गया। भीषण गर्मी से बेहाल लोगों के लिए खुश करने वाली खबर सामने आई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस बार गुजरात में मानसून दो दिन पहले दस्तक देगा यानी इस साल गुजरात में अगले हफ्ते से प्री-मानसून एक्टिविटी शुरू हो जाएगी। गुजरात में पिछले दो-तीन दिनों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। कहीं आंधी तो कहीं तेज हवाएं चल रही हैं, जिसकी वजह से लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिली है। इन सबके बीच मौसम विभाग के ताजा अपडेट में और राहत की खबर सामने आई है। खासकर राज्य के किसानों के लिए सबसे बड़ी खुशखबर मिली है। इस साल गुजरात में मानसून दो दिन पहले दस्तक देगा। केरल में मॉनसून दो दिन पहले ही आ चुका है और अगले हफ्ते से गुजरात में प्री-मॉनसून गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। उसके बाद राज्य में दक्षिण गुजरात से बारिश शुरू हो जाएगी। फिलहाल अगले पांच दिनों तक राज्य में 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। प्रदेश में आज से गर्मी में भी आंशिक कमी देखी जा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले सात दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। राज्य में दो दिनों तक हवा चलेगी। कच्छ, पाटन और बनासकांठा में हवा का अलर्ट है। 25-30 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी। सबसे ज्यादा तापमान 42.8 डिग्री अहमदाबाद में दर्ज किया गया। 15 जून के आसपास गुजरात में मानसून दस्तक देगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के चलते डुमस के समुद्र को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है और पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। मछुआरों से समुदर में नहीं जाने की अपील की गई है। दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल के पूर्वानुमान के मुताबिक, 4 जून तक राज्य में चक्रवातों की संख्या बढ़ जाएगी। अहमदाबाद, मध्य गुजरात, उत्तरी सौराष्ट्र, बनासकांठा क्षेत्र में धूल भरी आंधी के साथ हवा की गति 30 किमी तक रहने की संभावना है। रोहिणी नक्षत्र में छह जूनतकराज्य के कुछ हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। 15 जून तक मॉनसून के दक्षिण गुजरात और दक्षिण सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में पहुंचने की संभावना है। राज्य में 7 से 15 जून तक आंधी-तूफान आने की संभावना है। 8 जून को अरब सागरऔर बंगाल की खाड़ी पर हल्का दबाव बनने की संभावना है। इस वर्ष राज्य में तेज हवाओं और बिजली गिरने के साथ मानसूनी बारिश होने की संभावना है।

अकासा एयर की फ्लाइट, बम होने की पर्ची मिलने पर अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद,०३ जून

दिल्ली से मुंबई जा रही रही अकासा एयर की फ्लाइट में बम होने अफवाह पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। फ्लाइट के उड़ान भरने के बाद जब रास्ते में केबिन क्रू को यह इनपट मिला तो विमान को अहमदाबाद की तरफ मोड़ा गया। फ्लाइट के रूट में बदलाव करने के बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर उतारा गया। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर डॉग स्क्वायड द्वारा विमान के साथ यात्रियों के समान की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद ही विमान उड़ान भरेगा। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विमान को आइसोलेशन में रखा गया है।

इतना ही नहीं यात्रियों के लगेज और समान की भी जांच की जा रही है। अकासा एयर के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। विमान में 186 यात्री, 1 शिशु और छह चालक दल के सदस्य सवार थे। दिल्ली से मुंबई जा रही अकासा एयरलाइंस की फ्लाइट में बम होने की जानकारी सामने आने के बाद अहमदाबाद में लैंड कराया गया है। सुरक्षा एजेसिंयों के द्वारा विमान की जांच की जा रही है।

दो बाइक की आमने-सामने जबर्दस्त भिड़ंत, दो युवकों की मौत और दो घायल

वलसाड (ईएमएस) उमरगाम के कनाडु फाटक तिराहे के निकट दो मोटर साइकिलों के बीच हुई जबर्दस्त टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई और 2 बुरी तरह घायल हो गए। घटना के वक्त दोनों बाइकों की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद दोनों हवा में उछलकर जमीन पर जा गिरे। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले में दमन के बामणपूजा से एक मोटर साइकिल तेज रफ्तार में कनाडु फाटक तिराहे की ओर आ रही थी। जबकि दूसरी बाइक पर सवार तीन शख्स सरीगाम से फणसा की ओर जा रहे थे। मोटर साइकिल की रफ्तार इतनी तेज थी कि कनाडु फाटक तिराहे के निकट चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और दूसरी बाइक से टकराई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि दोनों बाइक समेत उस सवार सभी लोग हवा में उछलकर जमीन पर जा गिरे। इस हादसे में एक युवक की घटना स्थलपर ही मौत हो गई। जबकि एक युवककीवलसाडके सिविल अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना में घायल अन्य दो युवकों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

भीषण गर्मी के बीच डांग में तेज हवा और गरज के साथ बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस) दक्षिण गुजरात के सापूतारा समेत डांग में तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश हुई है। आसमान में छाए काले बादलों से माहौल खुशनुमा हो गया। सापूतारा में बादल छाए रहने और ठंडे मौसम ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। बारिश होने से गर्मी से परेशान लोगों को थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, वलसाड, नवसारी, तापी, डांग, छोटाउदेपुर, दाहोद, दादरा नगरहवेली, सूरत में हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 8-9 जून को राज्य में बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 8 जून को वलसाड, नवसारी, डांग, तापी, नर्मदा, छोटाउदेपुर, दमन, दादरा नगर हवेली, गिर सोमनाथ और दीव में सामान्य बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने 9 जून को पंचमहल, दाहोद, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, अमरेली और भावनगर में सामान्य बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक अहमदाबाद में दो दिनों तक बादल छाए रहेंगे। आज अहमदाबाद में अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा है। वहीं राज्य की राजधानी गांधीनगर में तापमान 41.5 डिग्री रहा है। राज्य में सबसे अधिक तापमान सुरेंद्रनगर में 43 डिग्री दर्ज किया गया। इस बीच खबर है कि सौराष्ट्र के अमरेली जिले में बारिश हुई है। अमरेली जिले की खांभा तहसील के ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई है। खांभा के अलावा धारी तहसील के वीरपुर, गढिया चांवड, इंगोराला, माधुपुर में बारिश होने की खबर है। भीषण गर्मी और उमस के बीच बारिश होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है।

आज से २ रुपये महंगा मिलेगा अमूल दूध

अहमदाबाद, ०३ जून।

लोकसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होते ही आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ी है। देश के अग्रणी दूध विक्रेता कंपनी अमूल ने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाने की घोषणा की है। इसका असर लोगों की रोजाना की जिंदगी पर पड़ेगा।

लोकसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होते ही आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ी है। देश के अग्रणी दूध विक्रेता कंपनी अमूल ने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाने की घोषणा की है। इसका असर लोगों की रोजाना की जिंदगी पर पड़ेगा। इसके साथ ही देश भर में अमूल दूध की एक लीटर थैली की कीमत दो रुपये प्रति लीटर बढ़ जाएगी। जीसीएमएमएफ के एमडी जयेन मेहता ने कहा कि ३ जून से अमूल दूध के सभी प्रकारों के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। दरअसल, जीसीएमएमएफ 'अमूल' ब्रांड के तहत दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन करता है। पिछली बार जीसीएमएमएफ ने फरवरी २०२३ में दूध की कीमत बढ़ाई थी।।

मेहता ने कहा कि किसानों को उनकी बढ़ी हुई उत्पादन लागत की भरपाई के लिए यह बढ़ोतरी जरूरी है। ताजा बढ़ोतरी के साथ ५०० मिली अमूल भैंस दूध ३६ रुपये, ५०० मिली अमूल गोल्ड दूध ३३ रुपये और ५०० मिली अमूल शक्ति ३० रुपये हो गई हैं।

जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा, ''दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी एमआरपी में ३-४ प्रतिशत की वृद्धि के बराबर है जो औसत खाद्य मुद्रास्फीति से काफी कम है। यह ध्यान देने योग्य है कि फरवरी २०२३ से अमूल ने प्रमुख बाजारों में ताजा पाउच दूध की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है।''

4 जून की हापा-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस की गयी रिशेडयूल

पैरींग रेक लेट होने के चलते 4, जून 2024 को हापा से चलनेवाली ट्रेन नंबर 12475 हापा-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस ट्रेन को रिशेडयूल किया गया है। यह ट्रेन हापा से 4 जून, 2024 को अपने निर्धारित समय सुबह 08.30 बजे की जगह 2 घंटा 40 मिनट लेट यानि कि सुबह 11.10 बजे रवाना होगी। रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए .हल्बिग्र्ग्रीह्ग्तुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

स्टाफ सुविधाओं की सुधारणा और स्टाफ कवॉटर्स का प्रावधान

ई-निविदा सूचना सं.

DRM-BRC 045 to 046 OF 2024-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (W A/C.), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नानुसार कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। क्रम सं.1: निविदा सं. DRM BRC 045 of 2024-25, कार्य का नाम: वडोदरा मंडल :- वडोदरा मंडल में विभिन्न स्थानों पर पानी की आपूर्ति/ड्रेनेज व्यवस्थाएं जैसी विभिन्न स्टाफ सुविधाओं की सुधारणा करने का कार्य। कार्य की अनुमानित लागत (₹ में): 4,24,04,051.55, जमा कराने की बीड सुरक्षा (₹ में): 3,62,000.00 क्रम सं.2: निविदा सं. DRM BRC 046 of 2024-25, कार्य का नाम: वडोदरा मंडल :- वडोदरा मंडल में विभिन्न स्थानों पर टाईप-II के 70 युनिट स्टाफ क्वॉटर्स का प्रावधान करने का कार्य। कार्य की अनुमानित लागत (₹ में): 12,74,97,855.57, जमा कराने की बीड सुरक्षा (₹ में): 7,87,500.00, दोनों निविदा हेतु :- निविदा जमा कराने एवं निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक 20/06/2024 को 15:00 बजे तक जमा की जाएगी एवं उसी दिनांक को 15:30 बजे खोली जाएगी। वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते हैं एवं कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीद सकते हैं: वेबसाईट: @ www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (W A/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4।

BRC-059

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96